राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 03 मार्च 2025 वर्ष-8,अंक-15 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

● आगरा में तेज रफ्तार बाइकों में टक्कर

5 लोगों की मौत

आगरा (एजेंसी)। आगरा में शनिवार देर रात 2 बाइकों की टक्कर में 5 लोगों की मौत हो गई। जबकि एक युवक गंभीर रूप से

घायल है। देर रात एसएन मेडिकल कॉलेज के इमरजेंसी पर चीख पुकार मची रही। मरने वालों में एक ही परिवार के चार लोग बताए जा रहे हैं। हादसा आगरा-जगनेर मार्ग पर गहर्राकलां रोड पर हुआ। पुलिस ने बताया- सैंया के रहने वाले चार लोग भगवान दास

एक बाइक पर 4 लोग सवार थे,रात को इमरजेंसी में हंगामा

(35), वकील (30), रामस्वरूप (28) और सोनू (25) रिश्तेदार की शादी में शामिल होने के लिए गढ़मुक्खा गए थे।

रूस से युद्ध रोकने का प्लान बनाएंगे यूक्रेन और ब्रिटेन

● फ्रांस भी देगा यूक्रेन का साथ

ब्रिटिश पीएम से मिले जेलेन्स्की

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन, फ्रांस और यूक्रेन मिलकर रूस-यूक्रेन जंग को रोकने के प्लान पर काम करने के लिए राजी हुए हैं। ये प्लान अमेरिका के सामने रखा जाएगा। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के ब्रिटेन दौरे पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इसकी जानकारी दी है। स्टार्मर ने लंदन में यूरोपीय देशों की डिफेंस समिट बुलाई है। जेलेंस्की इस बैठक में शामिल होंगे। बैठक से पहले स्टार्मर ने कहा कि जेलेंस्की की बहस के बाद चारों देशों के नेताओं की बातचीत में इस प्लान का जिक्र हुआ है। अमरीका की सुरक्षा गारंटी जरूरी है।

'दक्षिण की सुषमा' | रेस में हैं और भी नाम, इसी महीने हो सकता है ऐलान

भाजपा बना सकती है पार्टी की पहली महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी मार्च के मध्य तक अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा करने वाली है। यह निर्णय पार्टी के संगठनात्मक चुनावों के बाद लिया जाएगा। भगवा पार्टी फिलहाल 13 से अधिक राज्यों में संगठनात्मक चुनाव में व्यस्त है। पार्टी के सूत्रों के अनुसार, पार्टी के नए अध्यक्ष का चुनाव आंतरिक सहमति से किया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि भाजपा के इतिहास में पहली बार किसी महिला को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की संभावना है। इस बात की भी चर्चा है कि भाजपा दक्षिण भारत से किसी को यह जिम्मेदारी दे सकती है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भाजपा अगर किसी महिला को राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए चुनती है तो महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और कोयंबटूर विधायक वनथी श्रीनिवासन या आंध्र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दग्गुबाती पुरंदेश्वरी इस पद के लिए सबसे संभावित उम्मीदवार मानी जा रही हैं। दग्गुबाती पुरंदेश्वरी की दावेदारी इस पद के लिए सबसे अधिक है। 66 साल की पुरंदेश्वरी ने 2014 में कांग्रेस छोड़कर बीजेपी जॉइन की थी और संगठनात्मक मामलों में उनका महत्वपूर्ण अनुभव है। वर्तमान में वह आंध्र प्रदेश में बीजेपी की अध्यक्ष हैं।

महाराष्ट्र में फडणवीस के सामने कांग्रेस की युवा टीम

नए प्रदेश अध्यक्ष के बाद दो सदनों के लिए तय की जिम्मेदारियां

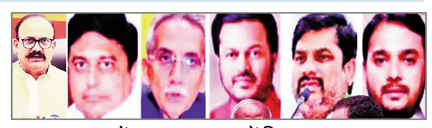

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में करारी हार का सामना करने के बाद कांग्रेस पार्टी ने राज्य की नई टीम का ऐलान कर दिया है। महाराष्ट्र विधानसभा में विजय वडेट्टीवार को पार्टी विधायक दल का नेता नियुक्त करने और संगठन की कमान नाना पटोले की जगह हर्षवर्धन सपकाल को सौंपने के बाद दोनों सदनों में अन्य जिम्मेदारियों के लिए नए नामों का ऐलान कर दिया है। कांग्रेस के 16 विधायकों के साथ महविकास आघाड़ी (एमवीए) के पास कुल 46 एमएलए हैं। जब महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव हुए थे तो विजय वडेट्टीवार नेता विपक्ष थे, लेकिन अब उनकी हैसियत पार्टी नेता की रह गई है। कांग्रेस पार्टी ने तीन मार्च यानी सोमवार से शुरू हो रहे बजट सत्र को देखते हुए विधानसभा और विधान परिषद में पार्टी नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी है। इसके तहत पार्टी ने अमीन पटेल को उपनेता बनाया है।

मायावती ने भतीजे आकाश से दूसरी बार छीना उत्तराधिकार

● राष्ट्रीय महासचिव पद से भी हटाया, कहा-जीते-जी अपना उत्तराधिकारी नहीं बनाऊंगी

लखनऊ (एजेंसी)। बसपा प्रमुख मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद से सभी जिम्मेदारियां छीन ली है। एक साल में दूसरी बार आकाश आनंद को उत्तराधिकारी और नेशनल कोऑर्डिनेटर पद से हटा दिया है। उन्होंने कहा- जीते जी किसी को भी अपना उत्तराधिकारी घोषित नहीं करूंगी। मायावती ने यह ऐलान रविवार को लखनऊ में बसपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक में किया। मायावती ने दो नए नेशनल को-ऑर्डिनेटर नियुक्त किए हैं। आकाश के पिता आनंद कुमार और राज्यसभा सांसद रामजी गौतम को जिम्मेदारी सौंपी है। बैठक में बसपा के कई राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष भी शामिल हुए।

● जन्मदिन पर स्टालिन का संकल्प

हिंदी का विरोध करूंगा

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को अपना 72वां जन्मदिन मनाया। इस मौके पर उन्होंने कहा- मैं जन्मदिन पर संकल्प लेता हूं कि हिंदी भाषा को थोपने का विरोध करूंगा। केंद्र सरकार क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने के नाम पर ट्राई लैंग्वेज पॉलिसी लागू कर रही है। असल में यह पॉलिसी गैर-हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी थोपने की साजिश है। स्टालिन ने पंजाब और तेलंगाना की सराहना की कि उन्होंने स्कूलों में पंजाबी और तेलुगु को अनिवार्य किया है। साथ ही कहा कि दोनों राज्यों ने केंद्र की बीजेपी सरकार के इस झूठ को उजागर किया है कि न्यू एजुकेशन पॉलिसी के तहत ट्राई लैंग्वेज पॉलिसी को क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने और फैलाने के लिए लागू किया जा रहा है।

सियासत की बलि... | कांग्रेस नेता हिमानी की मां का अंतिम संस्कार से इनकार, बोलीं

हत्या के पीछे पार्टी के ही लोग,उसकी तरक्की से जलते थे

अनिल विज बोले-कांग्रेसियों ने ही किया कांड, होगी जांच

रोहतक (एजेंसी)। हरियाणा के रोहतक में 22 वर्षीय कांग्रेस नेता हिमानी नरवाल की हत्या के बाद उनकी मां ने शव लेने से इनकार कर दिया है। साथ ही उन्होंने पार्टी के लोगों पर ही हत्या का शक जताया है। बता दें कि शनिवार सुबह हिमानी का शव रोहतक के सांपला बस स्टैंड पर एक सूटकेस में मिला था। बॉडी सफेद सूट में थी और गले पर काली चुन्नी लिपटी हुई थी, हाथों में मेहंदी थी। पुलिस के मुताबिक, हिमानी 3 दिन से लापता थी और किसी शादी में गई थी।

मां बोली-बेटी की तरक्की से जलते थे कांग्रेस नेता

हिमानी के शव का पोस्टमॉर्टम होना है, इससे पहले उनकी मां भी पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंच गईं। जहां पर उन्होंने पुलिस की जांच के साथ-साथ कांग्रेस पार्टी पर सवाल खड़े किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि हिमानी की हत्या में पार्टी का भी कोई व्यक्ति शामिल हो सकता है क्योंकि कई लोग बेटी की तरक्की से जलते थे। साथ ही उन्होंने कहा कि जब तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा तब तक वो हिमानी का अंतिम संस्कार नहीं होने देंगी। वहीं, इस मामले पर हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, कांग्रेस के लोग पहले भी ऐसा करते आए हैं। दूसरों को पीछे ढकेलना कांग्रेस की पुरानी आदत है।

25 किमी दायरे में सीसीटीवी की जांच जारी

एसएचओ बिजेंद्र सिंह ने बताया कि नेशनल हाईवे नंबर-9 पर रोहतक से रोहद टोल प्लाजा तक 25 किलोमीटर के एरिया में ही हत्यारों की तलाश में होटल व ढाबों के सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। पुलिस मकान से लेकर सांपला बस स्टैंड तक रास्ते में पड़ने वाले सीसीटीवी को चेक कर रही है। हिमानी की मां ने मीडिया से कहा कि राहुल गांधी के साथ

जम्मू कश्मीर तक हमारी बेटी पैदल चली, लेकिन अब कोई हमारा साथ नहीं दे रहा है। मेरे बड़े बेटे की 2011 में हत्या कर दी गई और हमें कभी न्याय नहीं मिला। इसलिए, मैं दूसरे बेटे की जान बचाने के लिए कैंप ले गई। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव के बाद, हिमानी पार्टी से थोड़ा निराश हो गई थी। उसने कहा कि उसे नौकरी चाहिए और वह पार्टी के लिए ज्यादा काम नहीं करना चाहती। वह पिछले 10 सालों से कांग्रेस से जुड़ी हुई थी। वह शादी करने के लिए भी राजी हो गई थी। सविता ने कहा कि रविवार को पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉक्टर का फोन आया था। उसने बेटी की हत्या के बारे में बताया। इसके बाद मैं सीधे दिल्ली से आई। 27 की रात को भी हिमानी से बात हुई थी। 28 को बात नहीं हुई, फोन मिलाया तो उसका फोन बंद दिखाने लगा।

केंद्रीय मंत्री की बेटी से हो गई छेड़छाड़

जलगांव (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जलगांव में केंद्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे की बेटी के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। जलगांव के मुक्ताई नगर इलाके में एक मेले के दौरान कुछ लड़कों ने केंद्रीय

● वीडियो बना रहे थे युवक, रोका तो गार्ड से की मारपीट

● पॉक्सो और आईटी एक्ट में मामला दर्ज,मंत्री खुद पहुंचीं

मंत्री की बेटी और उसकी सहेलियों से छेड़खानी की। मामले की शिकायत खुद मंत्री रक्षा खडसे ने मुक्ताई नगर थाने में की है। डीएसपी कृष्णत पिंगले ने बताया कि 28 फरवरी को कोथली गांव में एक यात्रा थी। इसी यात्रा में अनिकेत घुई और उसके 7 दोस्तों ने 3-4 लड़कियों का पीछा किया और उनके साथ छेड़छाड़ की। हमने पॉक्सो (प्रिवेंशन ऑफ चाइल्ड फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंस) एक्ट के साथ-साथ आईटी (इन्फॉर्मेशन) एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया है। एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। बाकियों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें भेजी गई हैं। मंत्री की बेटी और सहेलियों का वीडियो बना रहे थे लड़के पुलिस के मुताबिक, मेले के दौरान कुछ लड़कों ने रक्षा खडसे की बेटी से छेड़खानी की। साथ मौजूद पुलिस सुरक्षाकर्मी का कॉलर पकड़ा और उसे भी धमकी दी। लड़के रक्षा खडसे की बेटी और उसकी सहेलियों का वीडियो बना रहे थे। गार्ड के साथ लड़कों ने मारपीट शुरू कर दी।

असम में धर्मनिरपेक्षता पर पूछे गए सवाल पर छिड़ गया विवाद

छात्रों ने किया विरोध

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में कक्षा दस की परीक्षा में पूछे गए एक सवाल पर विवाद छिड़ गया है। राज्य बोर्ड की परीक्षा में सामाजिक विज्ञान की परीक्षा में भारतीय धर्मनिरपेक्षता पर पूछे गए इस सवाल की कॉपी सोशल मीडिया पर वायरल होते ही लोगों ने हिमंत सरकार के खिलाफ आवाज उठानी शुरू कर दी। राज्य के कई एनजीओस ने इसे शिक्षा प्रणाली में कट्टरता का रंग घोलने की साजिश करार दे दिया। कई स्टूडेंट्स ऑर्गजनाइजेशन ने भी इस प्रश्न को लेकर राज्य सरकार का विरोध किया है। इससे पहले परीक्षा में सवाल पूछा गया, मान लीजिए की सरकार ने दम्बुक नामक एक गांव में एक हॉस्पिटल खोला है, जहां पर हिन्दुओं का इलाज फ्री में किया जाता है वहीं दूसरे धर्मों के लोगों को अपने इलाज का पैसा खुद देना पड़ता है। क्या सरकार को भारत जैसे देश में ऐसा कुछ करना चाहिए, अपनी राय दीजिए।

● छात्रों ने बंगाल के शिक्षा मंत्री का किया घेराव,गाड़ी में तोड़फोड़

पश्चिम बंगाल की जादवपुर यूनिवर्सिटी में भारी बवाल

कोलकाता (एजेंसी)। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की छात्र शाखा 'स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया' (एसएफआई) और नक्सली एआईएसए के सदस्य राज्य में छात्र संघ चुनाव जल्द कराने की मांग कर रहे हैं। इसे लेकर उन्होंने कोलकाता स्थित जदवपुर विश्वविद्यालय परिसर में शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु का घेराव किया और उनके वाहन की विंडस्क्रीन भी क्षतिग्रस्त कर दी। मंत्री वेस्ट बंगाल कॉलेज एंड यूनिवर्सिटी प्रोफेसर्स एसोसिएशन की वार्षिक आम

बैठक में शामिल होने के लिए आए थे। बसु ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों से बात करने का प्रयास किया, लेकिन लगभग 100 छात्रों ने उन्हें घेर लिया और उनकी कार के विंडस्क्रीन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। छात्रों ने मंत्री को जूते दिखाए और उनके वाहन का पिछला शीशा भी तोड़ दिया। मंत्री को बाद में सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने बेचैनी की शिकायत की और बाएं हाथ की चोट दिखाई।

● 100 से ज्यादा प्रदर्शनकारी आक्रामक हुए

शिक्षा मंत्री ने सरकारी अस्पताल में जांच कराने के बाद कहा, 'मैं प्रदर्शनकारी छात्रों से बात करने के लिए तैयार था। यहां तक कि एसएफआई ने मुझे ज्ञापन भी सौंपा, लेकिन जब मैं दोबारा कार में बैठने वाला था तो 100 से ज्यादा प्रदर्शनकारी आक्रामक हो गए। उन्होंने मुझे घेर लिया। मैं कुलपति की मौजूदगी में भी 5 प्रतिनिधियों से बात करने को तैयार था, लेकिन वे सार्थक बातचीत नहीं चाहते थे। वे अराजकता चाहते थे। उन्होंने मेरे वाहन पर हमला करने की कोशिश की।' बसु ने कहा कि सभी प्रदर्शनकारी एसएफआई के नहीं थे, बल्कि अन्य उग्र संगठन थे।

स्वच्छ गंगा मिशन | महाकुंभ के बाद संगम क्षेत्र में विशेष सफाई अभियान

7 दिन चलेगा अभियान, अवैध कब्जे और होर्डिंग्स हटेंगे

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज में महाकुंभ के समापन के बाद संगम क्षेत्र और आसपास के इलाकों में विशेष सफाई अभियान शुरू किया गया है। यह अभियान सात दिन तक चलेगा। महापौर उमेश चंद्र (गणेश केसरवानी) ने अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने मेला क्षेत्र से जुड़े मोहल्लों, पार्किंग स्थलों और सड़कों की सफाई के निर्देश दिए। अवैध कब्जे और अतिक्रमण हटाने का भी आदेश दिया। दोबारा हुए कब्जों के लिए पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखा जाएगा। मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने जमीनी स्तर पर सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग ने सफाई व्यवस्था के लिए सात महत्वपूर्ण बिंदु तय किए हैं। इस अभियान में रेहड़ी-पटरी पर लगी अवैध दुकानें हटाई जाएंगी। संगम क्षेत्र की गलियों और

मोहल्लों की गलियों में चलेगी सफाई मुहिम,टीएम ऐक्टिव

अस्थाई पार्किंग की सफाई की जाएगी। मेले के आसपास जल जमाव की समस्या को दूर किया जाएगा। अभियान को जन आंदोलन बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों, स्कूल-कॉलेज के छात्रों और धर्म गुरुओं का सहयोग लिया जाएगा। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को जागरुक किया जाएगा। महाकुंभ के दौरान लगाई गई अवैध होर्डिंग्स और विज्ञापन हटाए जाएंगे। मार्च में होने वाले स्वच्छता सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाएं उसके मानकों के अनुरूप की जाएंगी। नगर निगम के सभागार में महापौर गणेश केसरवानी ने कहा- भविष्य की चुनौतियों पर हमने चर्चा की है। पिछले तीन दिनों से हम इस पर बात कर रहे हैं, यह मीटिंग महाकुंभ के बाद स्वच्छता कार्य को लेकर की जा रही है। उन्होंने कहा हमें चार गुना ज्यादा परिश्रम करना होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वन्य प्राणी जीवों का संरक्षण की आवश्यकता

विश्व वन्यजीव दिवस

संजय गोस्वामी

वर्तमान में भारत में 98 राष्ट्रीय उद्याान एवं 510 अभ्यारण्य हैं। यही संरक्षित क्षेत्र है जो पूरे देष में फैला हुआ है। वन्य प्राणी केवल संरक्षित क्षेत्रें में ही नही है, वरन संरक्षित क्षेत्रें के बाहर भी बहुत बड़ा भूभाग है जिसमें वन क्षेत्र व अन्य क्षेत्र आता है।वन्य प्राणियों की समष्टि का बहुत से कारणों से ह्रास होने के कारण तत्कालीन समय में प्रवृत्त कानूनों में प्रभावी व कठोर प्रावधान न होने के कारण वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 अधिनियमित किया गया जिसमें अभ्यारण्य एवं राष्ट्रीय उद्यान बनाये जाने के प्रावधान किये गये। फलस्वरूप संरक्षित क्षेत्र का निर्माण व विकास हुआ।

वन्य जीव-जन्तुओं पर्यावरण व इकोसिस्टम को सुरक्षित बनाये रखने के लिए प्रयुक्त होता है जो प्राकृतिक आवास में निवास करते हैं, जैसे हाथी शेर, गैंडा, हिरण इत्यादि। वन्य जीवों की पूर्ण सुरक्षा तथा विलुप्त होने वाले जन्तुओं को संरक्षण प्रदान करना इसका मुख्य उद्देश्य है व्यापक रूप से .वन्य जीव. प्रकृति में पाये जाने वाले सभी जीव -जन्तुओं एवं पेड़ -पौधों की जातियों हेतु प्रयुक्त किया जाता है । वर्तमान में मानव के द्वारा ऐसे कारण उत्पन्न कर दिये गये हैं, जिससे वन्य जीवों का अस्तित्व समाप्त हो रहा है । इसलिए वन्य जीवों की सुरक्षा के लिए 1972 में वन्य जीवन सुरक्षा अधिनियम बनाया गया है। वन्य जीवों की पूर्ण सुरक्षा तथा विलुप्त होने वाले जन्तुओं को संरक्षण प्रदान करना इसका मुख्य उद्देश्य है। भारत कई प्रकार के जंगलों जीवों और पशु-पक्षियों का घर है। जीवों और पशु-पक्षियों का संरक्षण पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहाँ के पशु पक्षियों को अपने प्राकृतिक निवास स्थान में देखना आनन्दायक है व जंगली जीवों को देखने पर्यटक आते हैं। यहाँ जंगली जीवों की बहुत बड़ी संख्या है।भारत के वन्य जीव संरक्षण कार्यक्रम की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक मजबूत संस्थागत ढांचे की रचना की गयी है। जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इण्डिया, बोटेनिकल सर्वे आफ इण्डिया जैसी प्रमुख संस्थाओं तथा भारतीय वन्य जीवन संस्थान, भारतीय वन्य अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी तथा सलीम अली स्कूल ऑफ आरिन्थोलॉजी जैसे संस्थान वन्य जीवन संबंधी शिक्षा और अनुसंधान कार्य में लगे हैं।इस अधिनियम का मुख्य उद्देश्य जंगली जानवरों, पक्षियों और पौधों को प्रमाणित सुरक्षा प्रदान करना है। अपितु वन्य जीवन तथा वन - वृक्षों को सुरक्षित रखना है संभवतः विष्व में सर्वप्रथम, लगभग 300 वर्ष ईसा पूर्व सम्राट अशोक ने वन्य प्राणियों के संरक्षण में अभयारण्यों की स्थापना की।बनारस के पास सारनाथ में एक मृग उद्यान में भगवान बुद्ध के प्रवचनों का उल्लेख भी मिलता है हिन्दू धर्म का तो मूल आधार ही यह है कि आत्मा समस्त प्राणियों में विचरण करते हुए मानव-योनि, और फिर मोक्ष-योनि में जाती है। सिन्धु-घाटी की सभ्यता (2500 ईसा पूर्व) में हाथी, शेर, गेंडा, नीलगाय, बंदर, कालाहिरण,गरूण तथा बाज पक्षियों की मूर्तिया पाई गई है। वन्यप्राणि इतनी विविधता एवं चमत्कारिक रूपों में पाये जाते है कि उनके देखने मात्र से ही सौंदर्य सुख प्राप्त होता है।। अंग्रेजी शासन काल में भी यद्यपि वन्य प्राणी संरक्षण को कुछ अधिकारियों और राजा महाराजाओं ने महत्व तो दिया लेकिन फिर भी वन्य प्राणियों के विकास में वे सफल नहीं हुए। बल्कि इसके विपरीत द्वितीय विष्व युद्ध के आसपास का समय तो वन और वन्य प्राणियों के विनाष का सर्वाधिक काला समय सिद्ध हुआ। धीरे-धीरे वैज्ञानिकों और जनसाधारण ने वनों

और वन्य प्राणियों के महत्व को समझना प्रारम्भ किया और जन आकांक्षाओं के परिणामस्वरुप विष्व के अनेक देषों में राष्ट्रीय उद्यान एवं अभयारण्यों की स्थापना होने लगी।देष के संरक्षित क्षेत्र जिसमें राष्ट्रीय उद्यान एवं अभ्यारण्य आते हैं। अनेक वन्य प्राणियों का उपयोग पशुधन के रूप में किया जाता है। भारतवर्ष में लगभग 20 मिलियन लोगों का जीवनयापन पशुधन पर निर्भर करता है। पशुधन से छोटे किसानों का लगभग 16 प्रतिशत और मझोले किसानों का 14 प्रतिशत आय प्राप्त होती है। पशुधन 2/3 गॉव की आबादी का जीवन यापन का सहारा बनती है। यह भारत वर्ष में 8.8 प्रतिशत लोगों को रोजगार प्रदान करती है। पशुधन 4.11 प्रतिशत जी.डी.पी. तथा 25.60 प्रतिशत कृषि के जी.डी.पी. में योगदान करती है। भारत वर्ष में कुल पशुधन 512 मिलयन है जिसमें कि भैंस 105.3 मिलयन है जो कि भारतीय किसानों के आमदनी का नायाब श्रोत है। केवल मत्सयोद्योग से ही विष्वभर में लगभग 1100 लाख टन भोजन प्रतिवर्ष प्राप्त होता है। इस भोजन में प्रोटिन की प्रतिषत भी अधिक होती है।भारत जैसे देश में शेरों की तादाद दिनोंदिन घटती जा रही है। लाख प्रयासों के बाद भी इनकी तादाद बढ़ाने के मामले में सरकार दावे कुछ भी करे, लेकिन नाकामी ही हाथ लगी है।नतीजतन हमारा पर्यावरण भयंकर से प्रभावित हुआ और स्तनधारी ही नहीं, पक्षियों की हजारों प्रजातियां विलुप्त हो गईं और सैकड़ों विलुप्ति के कगार पर हैं। संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान एवं विकास संस्थान के विशेषज्ञों व वैज्ञानिकों का अध्ययन खुलासा करता है कि पूरी दुनिया में मानवीय गतिविधियां व्यापक स्तर पर पर्यावरण विनाश कर रही हैं और धरती में जीवन का आधार समझी जाने वाली जैव विविधता खतरनाक दर से नष्ट हो रही है। यह सबसे अधिक चिंतनीय है। इससे धरती के पारिस्थितिकी तंत्र की क्षमता पर ही सवाल खड़े हो गए हैं। हालत यह है कि स्तनधारियों, पक्षियों और सरीसृप परिवार की 10 से 30 फीसदी प्रजातियों के ऊपर विलुप्ति की तलवार लटक रही है। मिलेनियम ईको-सिस्टम एसेसमेंट के अनुसार बीते 50 सालों में आदमी ने अपनी जरूरतों की पूर्ति और लालच की खारित पारिस्थितिकी तंत्र का इतनी तेजी से विनाश किया है, जिसकी प्राचीन इतिहास में कहीं कोई मिसाल नहीं मिलती। 1945 के बाद धरती का जितना हिस्सा खेती के समतल किया गया, वनों का कटान किया गया उतना 18वीं और 19वीं शताब्दी में मिलकर भी नहीं हुआ। इसका परिणाम जैव विविधता के भारी अपरिवर्तनीय नुकसान के रूप में सामने आया। ऐसे उदाहरण भी सामने आए जब प्रकृति पर लगे घावों के परिणामस्वरूप पारिस्थितिकी तंत्र में अभतपूर्व बदलाव आए और भयावह स्थिति का सामना करना पड़ा।असल में वन्य जीवों की प्रजातियों को सबसे ज्यादा यदि किसी ने नुकसान पहुँचाया है तो वह है वन्य जीवों की तस्करी और उससे होने वाला भारी मुनाफा। असलियत यह भी है कि आज विश्व में वन्य जीव तस्करी का अवैध कारोबार 25 से 30 हजार करोड़ डालर से अधिक है। यह कारोबार अब मादक पदार्थों के कारोबार से कुछ कम और हथियारों के कारोबार के करीब पहुँच चुका है।

सौंदर्य प्रसाधनों, औषधि निर्माण तो कहीं घरों की सजावट के लिए वन्य जीव अंगों की बेतहाशा मांग और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मिलता मुँहमांगा दाम इसके प्रमुख कारण हैं। सरकार चाहे प्रोजेक्ट टाइगर चलाए, प्रोजेक्ट एलीफेंट या आने वाले समय में प्रोजेक्ट गैंडा चलाए, जब तक देश का हर नागरिक वन्य प्राणियों के अंग, उनकी खाल का उपयोग न करने का संकल्प नहीं लेगा और लोगों में जागृति पैदा करने का अभियान नहीं चलाया जाएगा, भारत जैसे देश में तब तक कानूनों के जरिए वन्य प्राणी संरक्षण एक सपना ही रहेगा।इसके लिए गठित टास्क फोर्स कहां तक अपने उद्देश्य में कामयाब हो पाएगी, यह तो भविष्य ही बताएगा। इन्हें कौन बचाएगा? विश्व वन्य जीव कोश के अनुसार साइबेरियाई सारस, भालू, काले हिरण, बाघ और गैंडे को यदि तत्काल संरक्षण नहीं दिया गया तो ये जीव दुनिया से ही खत्म हो जाएंगे।आज देश में अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ की रेड डाटा बुक के अनुसार स्तनधारियों की 16, पक्षियों की 5 और सपीसृप वर्ग की 3 प्रजातियों का अस्तित्व खतरे में है। 81 स्तनधारी जीवों तथा 38 पक्षी व 18 सरीसृप स्थल चर-जलचरों को तत्काल संरक्षण प्रदान किए जाने की जरूरत है।सौंस को तो लम्बे इंतजार के बाद वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की अनुसूची एक में जगह मिली। उसके संरक्षण के लिए मात्र एक संरक्षित अभ्यारण्य है, जो विक्रमशिला के नाम से जाना जाता है और गंगा नदी में लगभग 50 किलोमीटर के इलाके में सुल्तानगंज से लेकर कहलगांव तक फैला है।

वर्तमान में भारत में 98 राष्ट्रीय उद्याान एवं 510 अभ्यारण्य हैं। यही संरक्षित क्षेत्र है जो पूरे देष में फैला हुआ है। वन्य प्राणी केवल संरक्षित क्षेत्रें में ही नही है, वरन संरक्षित क्षेत्रें के बाहर भी बहुत बड़ा भूभाग है जिसमें वन क्षेत्र व अन्य क्षेत्र आता है।वन्य प्राणियों की समष्टि का बहुत से कारणों से ह्रास होने के कारण तत्कालीन समय में प्रवृत्त कानूनों में प्रभावी व कठोर प्रावधान न होने के कारण वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 अधिनियमित किया गया जिसमें अभ्यारण्य एवं राष्ट्रीय उद्यान बनाये जाने के प्रावधान किये गये। फलस्वरुप संरक्षित क्षेत्र का निर्माण व विकास हुआ।यह संरक्षित क्षेत्र वन्य प्राणियों की नर्सरी के रुप में संधारित किये है, जिससे नर्सरी में उत्पन्न वन्य प्राणी अपनी संख्या में वृद्धि करके संरक्षित क्षेत्रें से लगे हुए क्षेत्रें के माध्यम से अन्य वन क्षेत्रें में फौलें व उनका विकास करे व प्रजनन द्वारा संख्या में वृद्धि करें। इन संरक्षित क्षेत्रें में बाघ परियोजनायें प्रचलित हैं। बाघ वन्य जीवों के पारिस्थितिकीय पिरामिड के षिखर पर स्थापित वन्य प्राणी है यदि षिखर का वन्य प्राणी स्वस्थ एवं प्राकृतिक विकास कर रहा है जो अच्छे इको सिस्टम का संकेत देता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

आस्था का जयकारा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रयागराज में सपन्न हुए महाकुंभ को युग परिवर्तन की आहट बताया और विकसित भारत का संदेश बताया। उन्होंने महाकुंभ समागम की तुलना गुलामी की मानसिकता की बेड़ियों को तोड़कर आजादी से संस ले रहे राष्ट्र की नवजागृत चेतना से की। समापन के एक दिन बाद मोदी ने ब्लाग में लिखा, महाकुंभ संपन्न हो गया। एकता का महायज्ञ संपन्न हो गया। भारत अब नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। यह युग परिवर्तन का संकेत है। जो भारत के लिए नया भविष्य लिखेगा। उप्र सरकार के अनुसार 13 जनवरी को शुरू हुए महाकुंभ में 65 करोड़. लोगों ने संगम में डुबकी लगाई। उधर राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर निशाना लगाते हुए कहा, दुनिया में कहीं भी इतना विशाल समागम नहीं हुआ। स्वच्छता व स्वास्थ्य कर्मियों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा लूटपाट, अपहरण, छेड़छाड़.व दुष्कर्म की ऐसी कोई घटना नहीं हुई, जो विरोधियों को दूरबीन या माइक्रोस्कोप से देखने को मिलती। इसमें कोई संदेह नहीं कि सरकार के अनुमान से कहीं अधिक संख्या में लोग प्रयागराज पहुंचे। जितना जन सैलाब था, उसके अनुपात में असुविधाओं या समस्याओं का खड़ा न होना, अपने आपमें बड़ा आश्चर्य है। हालांकि भगदड़.की मौतों के आंकड़े. छिपाने और अपनों की तलाश में भटकने वालों की जानते-बूझते अनदेखी की गई। सीमित साधनों के चलते स्थानीय नागरिकों को रोजाना की चीजों व नियमित कार्यों/पढ़ाई व नौकरीपेशा लोगों को हुई दिक्कतों की किसी ने फिक्र ही नहीं की। हालांकि इस विशाल आयोजन में उत्साहपूर्वक शामिल होने वाले श्रद्धालुओं ने कई-कई किलोमीटर पैदल चलने, ट्रैफिक जाम में फंसे रहने और पीने के पानी व भोजन को लेकर हुई अव्यवस्था पर भरपूर सहयोगात्मक भाव बनाये रखा। मोदी ने उसे समझा और उस पर माफी मांग कर अपना बड़प्पन भी दिखाया, जबकि योगी की बातों से ऐसा नजर नहीं आता, परंतु सफाईकर्मियों को प्रात्साहन राशि देने व उनकी तारीफ करके उन्होंने परंपरा से हटकर अपना अंदाज दिखाया। आस्था, विश्वास व उत्साह भरे इस आयोजन के लिए सभी की सराहना की जानी चाहिए।

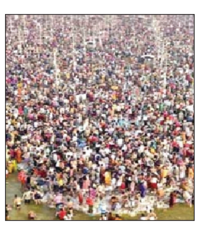

चिंतन-मनन

न देने वाला मन

एक भिखारी सुबह-सुबह भीख मांगने निकला। चलते समय उसने अपनी झोली में जौ के मुट्ठी भर दाने डाल लिए। टोटके या अंधविश्वास के कारण भिक्षाटन के लिए निकलते समय भिखारी अपनी झोली खाली नहीं रखते। थैली देख कर दूसरों को लगता है कि इसे पहले से किसी ने दे रखा है। पूर्णिमा का दिन था, भिखारी सोच रहा था कि आज ईश्वर की कृपा होगी तो मेरी यह झोली शाम से पहले ही भर जाएगी।

अचानक सामने से राजपथ पर उसी देश के राजा की सवारी आती दिखाई दी। भिखारी खुश हो गया। उसने सोचा, राजा के दर्शन और उनसे मिलने वाले दान से सारे दरिद्र दूर हो जाएंगे, जीवन संवर जाएगा। जैसे-जैसे राजा की सवारी निकट आती गई, भिखारी की कल्पना और उत्तेजना भी बढ़ती गई। जैसे ही राजा का रथ भिखारी के निकट आया, राजा ने अपना रथ रुकवाया, उतर कर उसके निकट पहुंचे। भिखारी की तो मानो सांसें ही रुकने लगीं। लेकिन राजा ने उसे कुछ देने के बदले उलटे अपनी बहुमूल्य चादर उसके सामने फैला दी और भीख की याचना करने लगे।

भिखारी को समझ नहीं आ रहा था कि क्या करे। अभी वह सोच ही रहा था कि राजा ने पुन? याचना की। भिखारी ने अपनी झोली में हाथ डाला, मगर हमेशा दूसरों से लेने वाला मन देने को राजी नहीं हो रहा था। जैसे-तैसे कर उसने दो दाने जौ के निकाले और उन्हें राजा की चादर पर डाल दिया। उस दिन भिखारी को रोज से अधिक भीख मिली, मगर वे दो दाने देने का मलाल उसे सारे दिन रहा। शाम को जब उसने झोली पलटी तो उसके आश्चर्य की सीमा न रही। जो जौ वह ले गया था, उसके दो दाने सोने के हो गए थे। उसे समझ में आया कि यह दान की ही महिमा के कारण हुआ है। वह पछताया कि काश! उस समय राजा को और अधिक जौ दी होती, लेकिन नहीं दे सका, क्योंकि देने की आदत जो नहीं थी।

न्यायालयों में अनसुलझे मामलों की बढ़ती हुई संख्या

प्रियंका सौरभ

देश की न्याय व्यवस्था कई महत्त्वपूर्ण मुद्दों से जूझ रही है, जिसका मुख्य कारण भारतीय अदालतों में अभी भी 5 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। यह लंबित मामले न केवल न्याय में देरी करते हैं, बल्कि कानूनी व्यवस्था में लोगों का भरोसा भी कम करते हैं। इनमें से कई मामले एक दशक से अधिक समय से लंबित हैं, जिनमें से लगभग 50 लाख मामले दस साल से भी अधिक समय पहले शुरू किए गए थे। नीति आयोग ने सुधारों की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया है, चेतावनी दी है कि मामले के समाधान की वर्तमान गति से, केवल निचली अदालतों में लंबित मामलों को हल करने में 300 साल से अधिक लग सकते हैं। भारत में, 'लंबित मामलों' का अर्थ कानूनी ढांचे के भीतर अनसुलझे मामलों की भारी संख्या है। स्थिति विशेष रूप से निचले न्यायिक स्तरों पर गंभीर है, जहाँ अधिकांश मामले दायर किए जाते हैं और न्यायाधीशों की कमी से निपटान नहीं होता है। लंबित मामलों की बढ़ती संख्या भारतीय न्याय वितरण प्रणाली के लिए एक बड़ी चुनौती है। लंबी कानूनी प्रक्रियाएँ 'न्याय में देरी न्याय से वंचित होने के समान है' कहावत को चरितार्थ करती हैं, क्योंकि वे जनता के विश्वास को खत्म करती हैं और व्यक्तियों को समय पर न्याय से वंचित करती हैं। बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि विवाद जैसे मामलों के लंबे समाधान ने सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ दिया है, जिसमें लगभग 70 साल लग गए। अदालतों में मामलों की विशाल मात्रा अदालती दक्षता में बाधा डालती है और लंबित मामलों की संख्या में वृद्धि करती है, जिससे त्वरित न्याय लगभग असंभव हो जाता है। सर्वोच्च न्यायालय में 82, 000 से अधिक और उच्च न्यायालयों में 62 लाख से अधिक मामले लंबित होने के कारण, निर्णयों में बड़ी देरी आम बात है। मुकदमेबाजी का वित्तीय बोझ आर्थिक विकास को भी बाधित करता है, क्योंकि यह संसाधनों को खत्म करता है और व्यक्तियों और व्यवसायों को कानूनी कार्यवाही करने से हतोत्साहित करता है। भारत में न्यायिक देरी की अनुमानित लागत दो मिलियन डॉलर से अधिक है। न्याय प्रणाली पर लंबित मामलों का प्रभाव गहरा और दूरगामी है। लंबे समय तक चलने वाले मामले कानूनी प्रणाली में जनता के विश्वास को खत्म कर सकते हैं, जिससे इसकी प्रभावशीलता के बारे में निराशा और संदेह पैदा होता है, जिससे कुछ लोग वैकल्पिक विवाद समाधान विधियों की तलाश करने लगते हैं। देरी का यह चक्र समस्या को और बढ़ाता है। न्यायिक देरी में योगदान देने वाला एक महत्त्वपूर्ण कारक जनसंख्या के लिए न्यायाधीशों का अपर्याप्त अनुपात है। भारत में, विकसित देशों की तुलना में कानूनी प्रणाली बहुत धीमी गति से काम करती है, जहाँ हर दस लाख निवासियों के लिए केवल 21 न्यायाधीश उपलब्ध हैं। सरकार सबसे बड़ी वादी है, जो सभी लंबित मामलों में से लगभग आधे मामलों के लिए ज़िम्मेदार है, जिनमें से कई तुच्छ मुद्दों पर अपील में बंधे हैं। सीमित कोर्ट रूम स्पेस और पुरानी केस मैनेजमेंट प्रथाओं जैसी चुनौतियों से लंबी अदालती कार्यवाही और भी जटिल हो जाती है। दिल्ली उच्च न्यायालय मध्यस्थता केंद्र ने 15 वर्षों में 200, 000 से अधिक मामलों को सफलतापूर्वक हल किया है, जो वैकल्पिक विवाद समाधान विधियों की प्रभावशीलता को उजागर करता है। दुर्भाग्य से, वकील और वादी दोनों अक्सर स्थगन का दुरुपयोग करते हैं, जिसके कारण मामले सालों या दशकों तक टल जाते हैं। मैन्युअल दस्तावेजीकरण और पुरानी कानूनी प्रक्रियाओं पर निर्भरता मामलों के समय पर समाधान में बाधा डालती है, जिससे अनावश्यक नौकरशाही बाधाएँ पैदा होती हैं। लंबित मामलों के बैकलॉग को कम करने के लिए, यह सुनिश्चित करना महत्त्वपूर्ण है कि कार्यवाही निरंतर हो। इसमें बढ़ती आबादी को समायोजित करने के लिए न्यायालय स्टाफिंग और बुनियादी ढांचे में निवेश करना शामिल है। न्यायालयों की संख्या बढ़ाने और पर्याप्त सहायक कर्मचारियों को नियुक्त करने से प्रक्रिया में तेजी लाने में मदद मिल सकती है। मामलों को अधिक तेजी से ट्रैक करने और आगे बढ़ाने के लिए प्रभावी केस प्रबंधन रणनीतियों को लागू करना भी महत्त्वपूर्ण है। उचित रूप से प्रबंधित मामलों के समय पर समाधान तक पहुँचने की अधिक संभावना होती है। कानूनी प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए कानूनों की नियमित समीक्षा और संशोधन अनिश्चितता को कम करने और कानूनी कार्यवाही में तेजी लाने के लिए आवश्यक है। वाणिज्यिक विवादों के त्वरित समाधान की सुविधा के लिए, वाणिज्यिक न्यायालय अधिनियम 2015 स्थगन पर सख्त नियम लागू करता है। मुकदमेबाजी से पहले मध्यस्थता को अनिवार्य करके वैकल्पिक विवाद समाधान को बढ़ावा देने से अदालतों पर बोझ कम करने में मदद मिल सकती है। मध्यस्थता अधिनियम (2023) वाणिज्यिक और नागरिक विवादों में मध्यस्थता को अनिवार्य बनाकर इसका समर्थन करता है, जिसका उद्देश्य अदालती लंबित मामलों को कम करना है। एक मजबूत लोकतंत्र न्याय के त्वरित और प्रभावी वितरण पर निर्भर करता है। न्यायिक देरी से निपटने के लिए, न्यायिक बुनियादी ढांचे को बढ़ाना, मौजूदा रिक्तियों को भरना, ऐआई-संचालित केस प्रबंधन को अपनाना और वैकल्पिक विवाद समाधान को बढ़ावा देना आवश्यक है। न्यायिक जवाबदेही को दूरदर्शी नीति ढांचे के साथ जोड़कर, भारत की न्याय प्रणाली अधिक निष्पक्ष, सुलभ और समय पर बन सकती है। यह आशा की जाती है कि सभी हितधारक-न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, सरकारें और कानूनी पेशेवर-न्याय वितरण प्रणाली को मजबूत करने और कानून के शासन को बनाए रखने के लिए अपनी भूमिका निभाएंगे। भारतीय अदालतों में लंबित मामलों से निपटने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है जिसमें तकनीकी प्रगति के साथ-साथ प्रशासनिक, कानूनी और बुनियादी ढाँचे में सुधार शामिल हो। हालाँकि प्रगति हुई है, लेकिन कानूनी प्रणाली में विश्वास बहाल करने और विवादों का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास महत्त्वपूर्ण हैं। भारतीय न्यायपालिका मूल कारणों से निपट सकती है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अभिनव समाधान लागू कर सकती है।

वैश्विकी : व्हाइट हाउस में महाभारत

ड़ॉ. दिलीप चौबे

व्हाइट हाउस में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच वाक युद्ध अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के इतिहास में दर्ज हो गया है। दुनिया में शायद ही कभी ऐसा हुआ हो जब एक बड़े युद्ध को लेकर प्रमुख विश्व नेताओं के बीच आपस में ही घमासान मचा हो। व्हाइट हाउस में जो आग लगी है वह दुनिया भर में फैल सकती है। इसे बुझाना आसान नहीं होगा। खासकर ऐसे समय जब आग बुझाने वालों की संख्या से अधिक आग भड़काने वाले नेताओं की है। व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में करीब 45 मिनट चली बैठक में शुरू का आधा घंटा सामान्य कूटनीतिक विचार विमर्श का था। राष्ट्रपति ट्रंप ने यूक्रेन की जनता और सेना की बहादुरी की चर्चा की। उन्होंने यथाशीघ्र युद्ध विराम पर जोर दिया ताकि रक्तपात और तबाही को रोका जा सके। शुरू से ही जेलेंस्की आवेश में थे और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ अभद्र शब्दों का प्रयोग कर रहे थे। उन्होंने पुतिन को 'हत्यारा' और 'आतंकवादी' करार दिया। इस पर ट्रंप कुछ असहज हो गए, लेकिन उन्होंने जेलेंस्की को रोका नहीं। उन्होंने केवल इतना कहा कि दोनों दोनों पक्षों रूस और यूक्रेन के बीच घृणा का माहौल है। ऐसे में कूटनीति आगे बढ़ना मुश्किल होता है। ओवल ऑफिस में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री माकाक्ष रूबियो सहित दोनों देशों के मंत्री और अधिकारी भी मौजूद थे। उपराष्ट्रपति वेंस ने जेलेंस्की को समझने की कोशिश की कि राष्ट्रपति ट्रंप यूक्रेन को और तबाही से बचाने के लिए कूटनीति पहल कर रहे हैं।

यह प्रयास पिछले बाइड़न प्रशासन से अलग है। इन प्रयासों के बारे में सकारात्मक रवैया अपनाने की बजाय जेलेंस्की यूक्रेन युद्ध का पूरा इतिहास बयान करने लगे। इसका निष्कर्ष यह था कि रूस और राष्ट्रपति पुतिन के साथ कूटनीति का रास्ता अपनाना बेमानी है। यह कथन अमेरिकी सरकार की यूक्रेन नीति की सीधी आलोचना थी। यहीं से व्हाइट हाउस में घमासान शुरू हुआ। जेलेंस्की ने राष्ट्रपति ट्रंप और उपराष्ट्रपति वेंस के कथनों पर टीका-टिप्पणी जारी रखी। उन्होंने जब वेंस से कहा कि तेज आवाज में मत बोलिए। इसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने रौद्र रूप अख्तियार कर लिया। उन्होंने तीखी भाषा का प्रयोग करते हुए कहा कि 'आप लाखों लोगों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। आप तीसरा विभ युद्ध शुरू करना चाहते हैं।' ट्रंप इतने पर ही नहीं रुके। उन्होंने आगे कहा कि यूक्रेन यदि आज कायम है तो इसका कारण यह है कि अमेरिका उसे आधुनिक हथियार दे रहा है। यदि हथियारों की आपूर्ति नहीं हो तो यूक्रेन कुछ ही दिनों में निपट जाएगा। वाक युद्ध के इस चरण में भी जेलेंस्की ने माहौल सामान्य बनाने के लिए कोई प्रयास नहीं किया। पूरे प्रकरण में वेंस ने जेलेंस्की पर आरोप लगाया कि वह अमेरिका और राष्ट्रपति ट्रंप का अपमान कर रहे हैं। कूटनीति में ऐसे अवसर आते हैं जब नेताओं में आपस में नोक-झोंक होती है, लेकिन ऐसा बंद कमरे की बातचीत में होता है। व्हाइट हाउस में यह सब कुछ दुनिया की मीडिया के सामने हुआ। अंत में ट्रंप ने मजाक में टिप्पणी की कि टेलीविजन के लिए अच्छी खबर बनी। लेकिन उसके बाद ट्रंप प्रशासन ने जेलेंस्की को सबक सिखाया। दुर्लभ खनिज के खनन के लिए होने वाले समझौते के कार्यक्रम और अगली प्रेस कॉन्फ्रेंस को रद्द कर दिया गया। राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ संदेश दिया कि जेलेंस्की से आगे बातचीत नहीं हो सकती। जेलेंस्की अगले कार्यक्रम के इंतजार में व्हाइट हाउस में बैठे रहे। इस पर प्रोटोकॉल अधिकारी ने उनसे कहा कि आप यहां से जा सकते हैं। दुनिया के सामने 'बड़े बेआबरू होकर तेरे कूचे से हम निकले' कि युक्ति चरितार्थ हो गई। लेकिन बात जेलेंस्की को फटकार सुनाये जाने पर ही नहीं रुकती। यह यूक्रेन युद्ध को जारी रखने पर आमादा खंस, ब्रिटेन और यूरोपीय देशों पर भी ट्रंप का प्रहार है। अमेरिका के तटस्थ होने पर यूरोपीय देशों के लिए संभव नहीं है कि वह युद्ध को लंबे समय तक जारी रख सकें।

जहां तक अमेरिका यूक्रेन के संबंधों का सवाल है जेलेंस्की के सत्ता से हटने और नये राष्ट्रपति की नियुक्ति के बाद ही रिश्ते पटरी पर आ सकते हैं।

राज्यों के निवेश अनुकूलता सूचकांक के दूसरे चरण पर काम जारी: नीति आयोग

नई दिल्ली । नीति आयोग के सदस्य डॉ. अरविंद विरमानी ने कहा है कि राज्यों के निवेश अनुकूलता सूचकांक के दूसरे चरण पर काम जारी है और इसके एक-दो महीने में जारी होने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में प्रतिस्पर्धी सहकारी संघवाद की भावना को आगे बढ़ाने के लिए 2025 में राज्यों का निवेश अनुकूलता सूचकांक लाने की घोषणा की गई है। यह सूचकांक राज्यों को नियमों की समीक्षा के लिए प्रेरित करेगा, ताकि यह पता लगाया जा सके कि निवेश को क्या बाधित कर रहा है। इस पहल का उद्देश्य निजी निवेश को आकर्षित करने के लिए राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है। वित्त मंत्रालय, नीति आयोग और उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के परामर्श से राज्यों के निवेश अनुकूलता सूचकांक से संबंधित मानदंडों पर काम कर रहा है। विरमानी ने कहा, सूचकांक तैयार करने का पहला चरण पूरा हो गया है। दूसरे चरण पर काम जारी है। इसमें उद्योग से सुझाव लिये जा रहे हैं।

एसबीआई रिपोर्ट:भारत की जीडीपी विकास दर 25 वित्त वर्ष में 6.5 फीसदी होगी

नई दिल्ली । एसबीआई रिसर्च ने एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें वित्त वर्ष 25 के भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, जीडीपी विकास दर की 6.5 फीसदी से उम्मीद की जा रही है, जो कि एक स्थिर और सुखद वृद्धि को दर्शाता है। इसके साथ ही रिपोर्ट में उल्लेख था कि चौथी तिमाही में विकास दर 7.6 फीसदी तक पहुंच सकती है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के मंदिर स्थिति को दर्शाता है। इसमें मई 2025 के जीडीपी आंकड़ों में संशोधन की संभावना भी शामिल है। इस समय की अर्थव्यवस्था की स्थिति को देखते हुए, रिपोर्ट ने वित्त वर्ष 2023-24 की रियल जीडीपी वृद्धि दर को 9.2 फीसदी बताया, जो लंबे समय के बाद सबसे अधिक है। इसमें कोरोना महामारी के पश्चात उठाई गई अर्थव्यवस्था की रिकवरी का भी महत्वपूर्ण योगदान है। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 6.2 फीसदी की जीडीपी वृद्धि दर्ज की है, जो पिछली तिमाही की तुलना में अधिक है। चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में मुख्य उद्यमिक गतिविधियों में भी वृद्धि देखी गई है, जो ग्रॉस वैल्यू एडेड में उछाल के रूप में प्रकट हुआ है। इस इसकी संक्षेप में, वित्त वर्ष 24 की रियल जीडीपी वृद्धि दर में संशोधन किया गया है, जो एक सकारात्मक संकेत हो सकता है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और स्थिरता की ओर एक चिंताजनक कदम है।

भारत में निजी उपभोग हुआ लगभग दोगुना

नई दिल्ली । भारत में निजी उपभोग 2013 के 1000 अरब डॉलर से करीब दोगुना होकर वर्ष 2024 में 2100 अरब डॉलर हो गया। यानी प्राइवेट कंजम्पशन सालाना 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, जो अमरीका, चीन और जर्मनी से भी अधिक है। देश में निजी उपभोग में बंपर बढ़ोतरी हुई है। डेलॉयट इंडिया और रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत 2026 तक दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार बनने की राह पर अग्रसर है और जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है। यह देश के मध्यम वर्ग की महत्वपूर्ण वृद्धि और खर्च में होने वाले मौलिक बदलाव को दर्शाता है। आय बढ़ने से ग्रामीण और शहर इलाकों में परिवारों का अपैरल, फुटवियर, ट्रैवल और वेलनेस पर खर्च बढ़ने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का रिटेल मार्केट वर्ष 2034 तक 190 लाख करोड़ रुपए का होने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया कि वर्ष 2030 तक 10,000 अमरीकी डॉलर से अधिक कमाने वाले भारतीयों की संख्या करीब तीन गुना बढ़ने की उम्मीद है। इससे अधिक आय वाले लोगों की संख्या वर्ष 2024 में 6 करोड़ है, जो 2030 तक बढ़कर 16.5 करोड़ होने की उम्मीद है।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का मार्केट कैप 3.09 लाख करोड़ घटा

- सबसे अधिक नुकसान में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज रही

मुंबई

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से आठ के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 3,09,244.57 करोड़ रुपये की गिरावट देखी गई। शेयर बाजार में ` कमजोरी के रुख के बीच सबसे अधिक नुकसान में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रही। समीक्षाधीन सप्ताह में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का बाजार मूल्यांकन 1,09,211.97 करोड़ रुपये घटकर 12,60,505.51 करोड़ रुपये रह गया। इससे शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में टीसीएस दूसरे से तीसरे स्थान पर आ गई है। एचडीएफसी बैंक सूची में दूसरे स्थान पर है। सप्ताह के दौरान इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 52,697.93 करोड़ रुपये घटकर 7,01,002.22 करोड़ रुपये रह गया। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 39,230.1 करोड़ रुपये घटकर 8,94,993.67 करोड़ रुपये पर आ गई, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 38,025.97 करोड़ रुपये घटकर 16,23,343.45 करोड़ रुपये रह गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 29,718.99 करोड़ रुपये घटकर 6,14,236.97 करोड़ रुपये पर आ गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 20,775.78 करोड़ रुपये घटकर 8,49,803.90 करोड़ रुपये रहा। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 11,700.97 करोड़ रुपये घटकर 5,14,983.41 करोड़ रुपये रह गई। आईटीसी का मूल्यांकन 7,882.86 करोड़ रुपये घटकर 4,93,867.57 करोड़ रुपये पर आ गया। इस रुख के विपरीत एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 30,258.49 करोड़ रुपये बढ़कर 13,24,411.31 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

शेयर बाजार में गिरावट से निवेशकों के बिगड़ते जा रहे हालात

- सोशल मीडिया पर छाया मीम्स का तूफान

नई दिल्ली । शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार औंधे मुंह गिरा जब निफ्टी करीब 9 महीने के निचले स्तर पर बंद हुआ, साथ ही बीएसई के सभी सेक्टर इंडेक्स में बिकवाली देखने को मिली। भारत के शेयर बाजार में दरार की मार ने निवेशकों को तगड़े झटके दिए हैं। सिर्फ फरवरी में ही सेंसेक्स में 4000 अंक की गिरावट आने से निवेशकों के 40 लाख करोड़ रुपये उड़ गए हैं। इस दुखद स्थिति में सोशल मीडिया पर मीम्स का तुफान छाया हुआ है। निवेशकों के दु:ख को दिखाने के लिए बनाए गए मीम्स सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। एक सोशल मीडिया यूजर्स ने जोक के अंदाज में लिखा है– फिलहाल शेयर बाजार की स्थिति, 25 दिन में पैसा आधा। ये मीम्स लोगों के मनोरंजन के साथ–साथ शेयर बाजार की सच्चाई को भी उजागर कर रहे हैं। सिख लो, हंसो और जिए – इसी दु:खद समय में मीमर्स ने दिखाया है कि उनका कौन सा असली हौंसला है।

जहां से टेस्ला बिकेगी उस जगह का किराया होगा 35 लाख रुपए महीना

नई दिल्ली। एलन मस्क की कंपनी टेस्ला अपने कारें भारत में भी विक्रय करेगी। इसके लिए शो रुम कहां और कैसे होंगे इसका काम भी लगभग पूरा हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, टेस्ला ने भारत में अपने शोरूम के लिए लोकेशन और एरिया फाइनल कर लिया है। अमेरिकी इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला ने मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में स्थित मेकर मैक्सिटी में अपने शोरूम के लिए जगह फाइनल कर ली है। इसके अलावा, दिल्ली के एयरोसिटी में भी एक नया शो रूम खोलने की कंपनी की योजना है। मेकर मैक्सिटी में कार शोरूम की जगह लगभग 3,000 वर्ग फुट में फैली हुई है और यह मेकर मैक्सिटी के कमर्शियल टॉवर के ग्राउंड फ्लोर पर स्थित है। इस जगह का मंथली किराया लगभग 35 लाख रुपये है और इसमें कुछ कार पार्किंग भी शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि टेस्ला ने दिल्ली में लगभग 4000 वर्ग फुट का शोरूम स्पेस फाइनल किया है और इसका मंथली रेंट लगभग 25 लाख रुपये है। सूत्रों के मुताबिक, टेस्ला ने नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास ब्रुकफील्ड प्रॉपर्टी में स्थित एयरोसिटी एरिया में शोरूम स्पेस का लीज फाइनल किया है। टेस्ला की ओर से शोरूम खोलने के लिए यह समझौता उस मीटिंग के कुछ हफ्तों बाद किया गया है, जब टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में मुलाकात की थी।

अमेरिकी डॉलर में मजबूती और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं से बाजार में बढ़ी बिकवाली

विदेशी निवेशकों ने फरवरी में भारतीय बाजारों से निकाले 34,574 करोड़

-इस साल अब तक 1.12 लाख करोड़ के शेयर्स बेचे, हाई वैल्यूएशन की वजह से लगातार पैसा निकाल रहे

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार खतरे के निशान के दौर से गुजर रहा है। इसकी एक वजह है विदेशी निवेशकों (फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स) का मोहभंग। ने फरवरी में भारतीय शेयर बाजारों से 34,574 करोड़ रुपए निकाले हैं। वहीं 2025 के पहले दो महीनों जनवरी और फरवरी में फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सने टोटल 1.12 लाख करोड़ रुपए की बिकवाली की है। जनवरी में फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सने 78,027 करोड़ रुपए के शेयर्स बेचे थे।

विशेषज्ञों के मुताबिक, भारतीय शेयरों की हाई वैल्यूएशन और कॉरपोरेट इनकम में ग्रोथ को लेकर चिंताओं के कारण फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सलगातार पैसे निकाल रहे हैं। दिसंबर 2024 में फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सने भारतीय शेयर बाजारों में 15,446 करोड़ रुपए निवेश किए थे।

11,639.02 करोड़ के शेयर्स बेचे

वहीं पिछले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को भी फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सनेट सेलर्स बने रहे। वहीं डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स बायर्स बने रहे। प्रोविजनल डेटा के अनुसार, 28 फरवरी को फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने 11,639.02 करोड़ रुपए के शेयर्स बेचे, जबकि डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने 12,308.63 करोड़ रुपए के शेयर्स खरीदे हैं। ट्रेडिंग सेशन के दौरान, डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने 28,065.55 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे और 15,756.92 करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे। वहीं फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सने 39,239.44 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे और 50,878.46 करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे।

निवेशकों का ध्यान अमेरिकी एसेट्स की ओर

बाजार की हालिया बिकवाली की मुख्य वजह अमेरिका में बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी, अमेरिकी डॉलर में मजबूती और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं हैं। इससे निवेशकों का ध्यान अमेरिकी एसेट्स की ओर बढ़ रहा है। वित्त-वर्ष की तीसरी तिमाही में कंपनियों के नतीजे कमजोर रहे हैं, जो अनिश्चितता के माहौल को दर्शाता है। मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार, भारत में हाई वैल्यूएशन की वजह से फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सबिकवाली कर रहे हैं। वे अपना पैसा चीन के शेयरों में लगा रहे हैं, जहां वैल्यूएशन कम है। इतना ही नहीं फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सफाइनेंशियल सर्विसेज में बड़े पैमाने पर बिकवाली कर रहे हैं, जबकि यह सेक्टर अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और इसकी वैल्यूएशन आकर्षक है।

डेट और बॉन्ड बाजार से भी पैसा निकाल रहे विदेशी

इसके अलावा फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सडेट या बॉन्ड बाजार से भी पैसा निकाल रहे हैं। फरवरी महीने में फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सने बॉन्ड बाजार से जनरल लिमिट के तहत 8,932 करोड़ रुपए और वॉलंटरी रिटेंशन रूट से 2,666 करोड़ रुपए निकाले। फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सका 2024 में भारतीय बाजार में निवेश 427 करोड़ रुपए रहा था। इससे पहले 2023 में फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सने 1.71 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया था।

अमेरिकी टैरिफ, वैश्विक रुख से तय होगी घरेलू शेयर बाजार की दिशा: विश्लेषक

मुंबई । इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा अमेरिकी टैरिफ, वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों से तय होगी। ऐसा बाजार के विश्लेषकों ने अनुमान लगाया है। विश्लेषकों ने कहा कि आने वाले दिनों में व्यापार शुल्क की चिंताओं तथा विदेशी कोषों की निकासी से निवेशकों की धारणा कमजोर हो सकती है। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि निवेशकों की नजर शुल्क नीति और बेरोजगारी दावों सहित महत्वपूर्ण घटनाक्रमों पर रहेगी। आने वाले समय में बाजार की स्थिति कमजोर रह सकती है। हालांकि, अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनियों के नतीजों में सुधार तथा वैश्विक व्यापार मोर्चे पर अनिश्चितता कम होने के बाद स्थिति में धीरे-धीरे सुधार की उम्मीद है। वृहद आर्थिक मोर्चे पर सप्ताह के दौरान एचएसबीसी विनिर्माता और सेवा पीएमआई आंकड़े आएंगे, जिनपर निवेशकों की निगाह रहेगी। एक फायनें सियल कंपनी प्रमुख का मानना है कि कमजोर वैश्विक रुख और घरेलू मोर्चे पर संकेतकों की कमी की वजह से बाजार कमजोरी के रुख के साथ कारोबार करेगा। दिसंबर तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। यह क्रमिक आधार पर सात तिमाहियों के निचले स्तर से उबर रही है। हालांकि, दिसंबर तिमाही की वृद्धि दर इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही की तुलना में कम रही है। आर्थिक वृद्धि दर का यह आंकड़ा ऐसे समय आया है जबकि अमेरिका का शुल्क युद्ध चुनौती बना हुआ है। सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.2 प्रतिशत रही है। यह जुलाई-सितंबर तिमाही के 5.6 प्रतिशत के संशोधित आंकड़े से अधिक है। हालांकि, यह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 6.8 प्रतिशत के अनुमान से कम है। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि अनिश्चितता अक्सर वास्तविक घटनाक्रम से अधिक महत्वपूर्ण होती है, और बाजार वर्तमान में संभावित व्यापार युद्ध की चिंता से जूझ रहा है। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली का दबाव लगातार बढ़ रहा है। फरवरी में कुल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 9.1 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.84 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो घरेलू खपत से बढ़ा है और संभावित आर्थिक पुनरुद्धार का संकेत है। शनिवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सकल आधार पर, केंद्रीय जीएसटी से संग्रह 35,204 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी से 43,704 करोड़ रुपये, एकीकृत जीएसटी से 90,870 करोड़ रुपये और मुआवजा उपकर से 13,868 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं।

भारत में कोयला उत्पादन में 5.73 फीसदी की वृद्धि

नई दिल्ली । भारत में कोयला उत्पादन अप्रैल से फरवरी अवधि में 5.73 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। इसके अनुसार, प्रतिवर्ष कोयला सेक्टर में मजबूत वृद्धि को दर्ज किया गया है। मंत्रालय ने बताया कि सालाना आधार पर कोयले का समुदायिक उत्पादन 929.41 मिलियन टन पर पहुंच गया है, जो पिछले साल के 880.92 मिलियन टन की तुलना में है। मंत्रालय के अनुसार यह सुनिश्चित करता है कि देश बढ़ती मांग को संतुलित रूप से पूरा करता है। सरकार इस सकारात्मक गति को बनाए रखने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास और परिचालन दक्षता को बढ़ा रही है। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने बताया कि सरकार कोयला परियोजनाओं की मंजूरी में सुधार के लिए कदम उठा रही है। इसके अतिरिक्त कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) ने एक गृहणियों के लिए प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। यह पहल गृहणियों को प्राथमिक देखभाल के बारे में जागरूक करने का उद्देश्य रखती है। इस बाबत, एनसीएल की योजना है कि जून तक 8,000 गृहणियों को प्राथमिक देखभाल करेगा।

भारत को 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है तो कड़ी मेहनत जरुरी

नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ ने वर्क-लाइफ बैलेंस पर रखी अपनी बात

नई दिल्ली। भारत के जी20 शेरपा और नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने कहा है कि भारत को 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी, न कि वर्क-लाइफ बैलेंस की। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा कि कम काम करने की बातें करना फैशन बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों को हफ्ते में 80 या 90 घंटे काम करना चाहिए। अमिताभ कांत के मुताबिक वर्क-लाइफ बैलेंस पर बहस युवाओं के लिए गलत उदाहरण पेश करती है। उन्होंने कहा कि लोग समय सीमा से पहले प्रोजेक्ट पूरे करें, के वालिटी से समझौता न करें और लागत को कंट्रोल में रखें। उन्होंने कोरिया और जापान का उदाहरण देते हुए कहा कि इन देशों ने कड़ी मेहनत से आर्थिक सफलता हासिल की है। उन्होंने भारत में भी ऐसी ही मानसिकता अपनाने की अपील की है। कांत नीति आयोग के सीईओ रह चुके हैं। वह वर्क-लाइफ बैलेंस पर चल रही बहस पर अपनी राय रख रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर भारत को 4 ट्रिलियन डॉलर से 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना है तो कड़ी मेहनत करनी होगी जो जरुरी है। कांत ने कहा कि मैं कड़ी मेहनत में विश्वास रखता हूं। भारतीयों को कड़ी मेहनत करनी चाहिए, चाहे वह 80 घंटे हो या 90 घंटे प्रति सप्ताह। आपकी महत्वाकांक्षा 4 ट्रिलियन डॉलर से 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की है तो आप इसे मनोरंजन या कुछ फिल्मी सितारों के विचारों का पालन करके नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि समय सीमा से पहले परियोजनाओं को पूरा करना, गुणवत्ता से समझौता न करना और लागत सीमा से ज्यादा न होना अहम है। कांत ने कहा कि लंबे समय तक काम करने के बावजूद वर्क-लाइफ बैलेंस बनाना संभव है। उन्होंने अपना उदाहरण देते हुए कहा कि मैं हर दिन काम करता हूं, व्यायाम करता हूं, गोल्फ खेलता हूं और फिर भी कड़ी मेहनत करता हूं।

जीएसटी कलेक्शन फरवरी में बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रहा

नई दिल्ली ।

भारत का गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) कलेक्शन फरवरी में सालाना आधार पर 9.1 प्रतिशत बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रुपये हो गया है। हाल ही में जारी हुए सरकारी डेटा से यह जानकारी मिली। यह लगातार 12वां महीना है, जब जीएसटी कलेक्शन 1.7 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। कलेक्शन में वृद्धि की वजह घरेलू स्तर पर जीएसटी राजस्व 10.2 प्रतिशत बढ़ना है, जो कि फरवरी में 1.42 लाख करोड़ रुपये रहा है। हालांकि, आयात पर लगने वाले से आय 5.4 प्रतिशत बढ़कर 41,702 करोड़ रुपये रही है। फरवरी में सेंट्रल जीएसटी कलेक्शन 35,204 करोड़ रुपये, स्टेट जीएसटी कलेक्शन 43,704 करोड़ रुपये और इंटीग्रेटेड जीएसटी कलेक्शन 90,870 करोड़ रुपये रहा है। वहीं बीते महीने 13,868 करोड़ रुपये का सेस एकत्रित किया गया है। रिफंड को निकाल दिया जाए तो फरवरी 2025 में शुद्ध जीएसटी कलेक्शन 8.1 प्रतिशत बढ़कर 1.63 लाख करोड़ रुपये रहा है। बीते महीने 20,889 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया है, जो कि पिछले साल की समान अवधि से 17.3 प्रतिशत अधिक था। कलेक्शन में कमी की वजह फरवरी में 28 दिनों का होना था। भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी देखने को मिल रही है। देश की रियल जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में बढ़कर 6.2 प्रतिशत हो गई है, जो कि इससे पहले की तिमाही में 5.6 प्रतिशत (संशोधित अनुमान) थी। सरकार द्वारा जारी किए गए अनुमानों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की रियल जीडीपी ग्रोथ 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इस दौरान चालू वित्त वर्ष के लिए नॉमिनल जीडीपी वृद्धि दर 9.9 प्रतिशत रहने का अनमान है।

आयात शुल्क बढ़ने के बावजूद बीते सप्ताह अधिकांश तेल- तिलहन के दाम टूटे

उपलब्धता में कमी और सस्ता होने से मांग बढ़ने के कारण बिनौला तेल सुधार के साथ बंद हुआ

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह केंद्र सरकार के द्वारा आयातित खाद्य तेलों के आयात शुल्क में बढ़ोतरी किए जाने के बावजूद पिछले सप्ताहांत में शिकॉगो एक्सचेंज में भारी गिरावट रहने के कारण करोबारी दवाब बढ़ने से ज्यादातर तेल-तिलहनों की कीमत गिरावट के साथ बंद हुई। उपलब्धता में कमी और सस्ता होने की वजह से मांग बढ़ने के कारण केवल बिनौला तेल सुधार के साथ बंद हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि बीते सप्ताह विदेशों में पाम, सूरजमुखी और सोयाबीन तेल के दाम टूटे हैं और हमारे देश में इस गिरावट का असर व्यापक तेल-तिलहनों पर भी देखा गया जिससे उनके दाम में गिरावट आई। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 50 रुपये की गिरावट के साथ 6,250-6,350 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों दादरी तेल का थोक भाव 200 रुपये की गिरावट के साथ 13,600 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 15-15 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,350-2,450 रुपये और 2,350-2,475 रुपये टिन (15 किलो), सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 80-130 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,200-4,250 रुपये और 3,900-3,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह, सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 200 रुपये, 200 रुपये और 150 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 14,150 रुपये, 13,750 रुपये और 10,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन का भाव 50 रुपये की गिरावट के साथ 5,600-5,925 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं, मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमशः 100 रुपये और 10 रुपये की गिरावट के साथ 14,300 रुपये और 2,200-2,500 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 250 रुपये की गिरावट के साथ 3,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 250 रुपये की गिरावट के साथ 14,700 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 200 रुपये की गिरावट के साथ 13,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

विदेशी निवेशकों ने पिछले माह भारतीय शेयर बाजार से 34,574 करोड़ निकाले

- एफपीआई की निकासी 1.12 लाख करोड़ रुपये पार

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने फरवरी में भारतीय शेयर बाजारों से 34,574 करोड़ रुपये की निकासी की हैं। इस तरह 2025 के पहले दो माह में एफपीआई की कुल निकासी 1.12 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। वैश्विक व्यापार तथा कंपनियों की आय को लेकर चिंता के बीच एफपीआई लगातार बिकवाल बने हुए हैं। बाजार के जानकारों ने कहा कि भारतीय शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन और कॉरपोरेट आय में वृद्धि को लेकर चिंताओं के कारण एफपीआई लगातार निकासी कर रहे हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने फरवरी में भारतीय शेयरों से 34,574 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले जनवरी में एफपीआई ने 78,027 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। इस तरह 2025 के पहले दो माह में एफपीआई 1,12,601 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि बाजार की हालिया बिकवाली की मुख्य वजह अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी, अमेरिकी डॉलर में मजबूती और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं हैं। इससे निवेशकों का ध्यान अमेरिकी परिसंपत्तियों की ओर बढ़ रहा है। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में कंपनियों के नतीजे कमजोर रहे हैं जो अनिश्चितता के माहौल को दर्शाता है। जिंस कीमतों में गिरावट और उपभोक्ता खर्च में कमी से यह समस्या और बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि भारत में ऊंचे मूल्यांकन की वजह से एफपीआई बिकवाली कर रहे हैं। वे अपना पैसा चीन के शेयरों में लगा रहे हैं, जहां मूल्यांकन कम है। लेकिन इस प्रक्रिया में, वे आकर्षक मूल्यांकन वाले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रों में बिक्री कर रहे हैं। एफपीआई की बिकवाली में एक महत्वपूर्ण विरोधाभास यह है कि वे वित्तीय सेवाओं में भारी मात्रा में बिकवाली कर रहे हैं, जबकि यह क्षेत्र अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और इसका मूल्यांकन आकर्षक है। इसके अलावा वे ऋण या बॉन्ड बाजार से भी पैसा निकाल रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विदर्भ ने तीसरी बार जीता रणजी ट्रॉफी का खिताब, फाइनल में केरल को हराया

दुबई (एजेंसी)। नागपुर - विदर्भ ने फाइनल मुकाबले में रनों का पहाड़ करते हुए केरल को हराकर रविवार को पहली पारी में मिली बढ़त के आधार पर रणजी ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर लिया है। केरल और विदर्भ के बीच नागपुर में खेला गया फाइनल मुकाबला पांचवें दिन ड्रॉ पर समाप्त हुआ। विदर्भ को पहली पारी में केरल पर बनाई गई बढ़त के आधार पर जीत मिली और इस घरेलू टूर्नामेंट में चैंपियन बन गया।

विदर्भ ने तीसरी बार रणजी का खिताब जीता है। इससे पहले उसने 2017-18 और 2018-19 में खिताब जीता था। विदर्भ के दानिश मालेवार को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया। वहीं विदर्भ के हर्ष दुबे को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का पुरस्कार मिला।

विदर्भ ने कल के चार विकेट पर 249 रनों से आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह के सत्र में मैच के पांचवें दिन करूण नायर ने अभी अपने कल के स्कोर में तीन रन जोड़े थे कि आदित्य सरवटे ने उन्हें अजरुद्दीन ने स्टंप कर पवेलियन भेज दिया। नायर ने (295) में 10 चौके और दो छक्के लगाते हुए (135) रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। हर्ष दुबे (चार) रन बनाकर आउट हुए। कप्तान अक्षय वड़कर (25) को सरवटे ने बोल्ड आउट किया। अक्षय कारनेवार (30) को एनपी बासिल ने बोल्ड किया।

दोनों कप्तानों की मैच ड्रा करने की सहमिति के समय विदर्भ ने 143.5 ओवरों में नौ विकेट पर 375 रन बना लिए थे और दर्शन नालकंडे (51 अवजित) और यश ठाकुर (आठ) अविजित रहे। केरल की ओर से आदित्य सरवटे ने चार विकेट लिए। एम डी निधीष, जलज सक्सेना, ईडन ऐपल टॉम, एनपी बासिल और अक्षय चंद्रन ने एक-एक विकेट लिया।

विराट 300वें एकदिवसीय खेलने वाले सातवें भारतीय क्रिकेटर बने

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने चैम्पियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड के खिलाफ उतरते ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम कर लिया। विराट 300 एकदिवसीय खेलने वाले सातने भारतीय क्रिकेटर बने हैं।

विराट इस मैच में उतरते ही महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी, राहुल द्रविड़, मोहम्मद अजहरुद्दीन, सौरव गांगुली और युवराज सिंह के 300 एकदिवसीय खेलने के क्लब में शामिल हो हो गये। विराट कोहली ने 300 एकदिवसीय की 288 पारियों में 14085 रन बनाये हैं। वह इस प्रारुप में सबसे ज्यादा 51 शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। वहीं उन्होंने 73 अर्धशतक भी लगाये हैं। उनका औसत 58.2 का का है। विराट हालांकि अपने 300 वें मैच में बड़ी पारी नहीं खेल पाये और केवल 11 रन बनाकर आउट हो गये। एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन 18426 बनाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज है। इसके बाद श्रीलंका के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार संगाकारा ने 404 मैच खेलते हुए 25 शतक के जरिए 14234 रन बनाए थे। वहीं विराट कोहली 14085 रनों के साथ नंबर तीन पर हैं।

रोहित शर्मा के नाम जुड़ा अनचाहा वर्ल्ड रिकॉर्ड, बतौर कप्तान लगातार 10 टॉस हारने वाले तीसरे कप्तान बने

दुबई (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी का 12वां मुकाबला खेला जा रहा है। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। भारत और न्यूजीलैंड मैच में टॉस होते ही भारतीय टीम वनडे में लगातार 13वीं बार टॉस हार गई है। इस शर्मनाक रिकॉर्ड में बतौर कप्तान रोहित शर्मा का योगदान सबसे ज्यादा रहा है।

वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में टीम इंडिया का टॉस हारने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले के दौरान भारत 13वीं बार टॉस हारा है। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने कुल तीन मैच खेले हैं और तीनों ही मैचों में रोहित टॉस हार गए हैं। हालांकि, मैच में टीम को जीत नसीब हुई है। बतौर कप्तान रोहित शर्मा लगातार 10वीं बार वनडे में टॉस हार चुके हैं। इसके साथ ही उनका नाम एक अनचाहे रिकॉर्ड बुक में दर्ज हो गया है। रोहित से ज्यादा बतौर कप्तान सबसे ज्यादा टॉस हारने का रिकॉर्ड ब्रायन लारा के नाम दर्ज है। लारा अक्टूबर 1998 से मई 1999 तक कुल 12 बार टॉस हारे थे। वहीं पीटर बोरेन मई 2011 से अगस्त 2013 तक 11 बार टॉस हार चुके हैं। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा नंवबर 2023 से मार्च 2025 तक कुल 10 बार टॉस गंवा चुके हैं। बता दें कि, वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल से टीम इंडिया का टॉस हारने का सिलसिला जारी है। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ नवंबर 2023 में आखिरी बार वनडे में टॉस जीता था। जिसके बाद कुल 13 बार टॉस हुए हैं और भारतीय टीम ने सभी टॉस गंवाए हैं। 2023 में वनडे वर्ल्ड कप के बाद भारत ने तीन वनडे सीरीज खेली है और इन सीरीज में सभी टॉस हारे हैं। इस दौरान केएल राहुल ने भी टीम की कमान संभाली थी।

चैंपियंस ट्रॉफी : पाकिस्तान के बाहर होने से स्थानीय फैंस का क्रैज खत्म, सेमीफाइनल पर पड़ेगा असर

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान के क्रिकेट प्रशंसकों ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में अपनी टीम के जल्दी बाहर होने और रमजान की शुरुआत के बाद टूर्नामेंट को लेकर रुचि खो दी है। शनिवार को इंग्लैंड-दक्षिण अफ्रीका मैच के लिए यहां नेशनल स्टेडियम में मुश्किल से कुछ हजार लोग थे और आयोजन स्थल पर तैनात सुरक्षा कर्मियों ने राहत की सांस ली कि उनके लिए टूर्नामेंट लगभग खत्म हो गया है।

स्टेडियम में तैनात एसएसपी इमरान जमील ने कहा, 'पिछले दो सप्ताह हमारे लिए कठिन और तनावपूर्ण रहे हैं, इसलिए अब हम काफी राहत महसूस कर रहे हैं। इंग्लैंड के साथ मैच में भी अपेक्षाकृत शांति रही।' 19 फरवरी को कराची में शुरू हुए चैंपियंस ट्रॉफी मैचों के लिए कराची में कम से कम 7000 पुलिसकर्मी, अर्धसैनिक रेंजर्स और यहां तक ??कि कुछ सैन्य इकाइयां भी ड्यूटी पर थीं। लेकिन जमील ने कहा कि टीमों, अधिकारियों, मीडिया और प्रशंसकों के लिए राज्य स्तरीय सुरक्षा प्रदान करने का काम इस मेगा इवेंट की शुरुआत से पहले ही शुरू हो गया था, क्योंकि लाहौर और कराची में पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की भागीदारी वाली तीन देशों की प्रतियोगिता होने वाली है।

उन्होंने कहा, 'अब सुरक्षाकर्मी रमजान में सामान्य ड्यूटी पर लौट सकते हैं।' शनिवार को कॉलेज के दोस्तों के एक समूह के साथ आईं दो बहनों फरिहा और फैजा ने कहा कि पाकिस्तान के बिना चैंपियंस ट्रॉफी उनके लिए खत्म हो गई है। फैजा ने कहा, 'हम आज आए हैं, क्योंकि हमने पहले ही मैच के लिए टिकट खरीद लिए थे।'

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने घोषणा की है कि रावलपिंडी में बारिश के कारण रद्द हुए दो मैचों के लिए अलग-अलग परिसरों के लिए टिकट लाने वाले सभी दर्शकों को पूरा पैसा वापस मिलेगा। बुरी खबर यह है कि जिन प्रशंसकों ने आतिथ्य और गैलरी दृश्यों के लिए प्रीमियम का भुगतान किया था, उन्हें कोई पैसा वापस नहीं मिलेगा। टूर्नामेंट के तीन मैच बारिश से प्रभावित रहे, जिनमें से आखिरी मैच अफगानिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच लाहौर में भारी बारिश के कारण रद्द कर दिया गया।

क्रिकेट पत्रकार और विश्लेषक महमूद रियाज ने कहा कि घरेलू टीम के प्रदर्शन के कारण चैंपियंस ट्रॉफी थोड़ी निराशाजनक रही। उन्होंने कहा, 'हम इतने सालों के बाद एक बड़े आईसीसी इवेंट की मेजबानी कर रहे थे और लोग उत्साहित थे, लेकिन टीम ने वास्तव में सभी को निराश किया।' 65 वर्षीय तौसीफ सिद्दीकी ने नेशनल स्टेडियम में कभी भी कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा, 'त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में और 19 मार्च को न्यूजीलैंड से पाकिस्तान को दो बार हारते देखना हमारे लिए बहुत बड़ी निराशा थी।' उन्होंने कहा कि कराची में होने वाले मैचों के लिए अपने और अपने दोस्त के लिए टिकट खरीदने पर लगभग 60,000 पाकिस्तानी रुपए खर्च किए थे।

विशेषज्ञों का मानना है कि रविवार से रमजान शुरू होने के कारण सेमीफाइनल के लिए लाहौर में भी भीड़ जुटाना मुश्किल होगा। पीसीबी के एक अधिकारी ने कहा, 'आम तौर पर लोग रमजान के पहले दो हफ्तों में उपवास तोड़ने के बाद घर पर रहते हैं और तरावीह की नमाज पढ़ते हैं और वे पवित्र महीने के पहले 15-20 दिनों के बाद इफ्तार के बाद ही बाहर निकलते हैं।'

पीसीबी गद्दाफी स्टेडियम में होने वाले सेमीफाइनल के लिए मुफ्त इफ्तार बॉक्स उपलब्ध कराने की योजना पर भी काम कर रहा है, ठीक वैसे ही जैसे अमीरात क्रिकेट बोर्ड ने दुबई में होने वाले मैचों के लिए किया है। उन्होंने कहा, 'अगर सेमीफाइनल के लिए बड़ी संख्या में भीड़ नहीं होगी तो यह निराशाजनक होगा। यह पाकिस्तान क्रिकेट के लिए अच्छा नहीं है।'

अफगानिस्तान के खिलाड़ी धैर्य रखकर खेलें तो आने वाले समय में जीत सकते हैं आईसीसी ट्रॉफी : स्टेन

जोसंसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर डेल स्टेन ने चैम्पियंस ट्रॉफी में अफगानिस्तान टीम के प्रदर्शन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि अगर वह इसी प्रकार का प्रदर्शन करती रही तो आने वाले समय में आईसीसी ट्रॉफी जीत सकती है। स्टेन के अनुसार अभी देखा जाये तो अफगानिस्तान की टीम पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश से आगे नजर आती है। अफगानिस्तान की टीम भारत के बाद एशिया की दूसरी सबसे अच्छी टीम बनकर उभरी है। स्टेन के अनुसार अफगानिस्तान के खिलाड़ी जिस दिन संयम से खेलना सीख लेंगे। उस दिन ववे आईसीसी टूर्नामेंट जीत सकते हैं। इस पूर्व तेज गेंदबाज के अनुसार अफगानिस्तान की टीम 2023 एकदिवसीय विश्व कप में भी नॉकआउट में जगह बनाने के करीब पहुंच गई थी। तब उसने इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान को हराया था जबकि पिछले साल के टी20 विश्व कप में टीम में वह सेमीफाइनल में पहुंची थी जिसमें उसने ऑस्ट्रेलिया को बाहर कर दिया था। ऐसे में अब अफगान टीम सफेद गेंद के टूर्नामेंट में एक मजबूत टीम बनती जा रही है। स्टेन ने कहा, 'हम ऐसे समय में जी रहे हैं जिसमें लोग इतने संयमित नहीं हैं। हम सोशमी मीडिय की स्टोरी को भी मुश्किल से दो सेकेंड देख पाते हैं और ऐसा लगता है कि अफगानिस्तान के खिलाड़ी भी क्रिकेट खेलते समय ऐसे ही होते हैं। संयम सबसे बड़ी चीज में से एक है जिसे अफगानिस्तान के खिलाड़ियों को सीखने की जरूरत है। वह एक बार जब इसे हासिल कर लेंगे तो आने वाले समय में आईसीसी टूर्नामेंट जीत सकते हैं।' स्टेन ने कहा, 'वे चाहते हैं कि चीजें इतनी जल्दी हो जायें कि हर गेंद विकेट लेने वाली होनी चाहिए। टीम गेंदबाजों में संयम नहीं है। बल्लेबाज भी ऐसा ही करते हैं। पहले ओवर में ही उसे बल्लेबाज छक्का मारने का प्रयास करते हैं।

हम बहुत खराब प्रदर्शन कर रहे हैं और हमें अभी बहुत काम करना है : ब्रेंडन मैकुलम

स्पोर्ट्स डेस्क। इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल टीम लगातार दो आईसीसी वनडे टूर्नामेंटों से पहले दौर में बाहर होने के बाद काफी मुश्किल में है। इंग्लैंड पहले भारत में 2023 वनडे विश्व कप और अब पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी के पहले दौर से बाहर हो गया। दोनों टूर्नामेंटों में खराब प्रदर्शन का एक जैसा ही नजारा देखने को मिला। बल्लेबाजी आक्रमण में 50 ओवरों का सर्वश्रेष्ठ तरीके से उपयोग करने के लिए कोई खाका नहीं था और तेज गति के गेंदबाजों के बावजूद गेंदबाजी आक्रमण कमजोर दिख रहा था। इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम ने टूर्नामेंट के आखिरी मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सात विकेट से हार के बाद कहा, 'हम पूरे टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए, जाहिर तौर पर हम बहुत निराश हैं।' उन्होंने कहा, 'हमें टूर्नामेंट को धमाकेदार तरीके से खत्म करने की बहुत उम्मीद थी, लेकिन हम बहुत खराब प्रदर्शन कर रहे हैं और हमें अभी बहुत काम करना है। हम अगले कुछ हफ्तों में अपनी सोच को बदलेंगे और अपने सफेद गेंद वाले क्रिकेट में सुधार के लिए प्रयास करना शुरू करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि हम इस पर पूरी तरह से ध्यान दें और ऐसा तरीका खोजें जिससे हम खुद को उस स्थिति में वापस ला सकें जहां हमें होना चाहिए।' मैकुलम ने कहा कि भारत में तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला इंग्लैंड के लिए टूर्नामेंट के लिए अच्छी तरह से तैयार होने का एक अच्छा अवसर था। हालांकि वे द्विपक्षीय मैच में भारत के खिलाफ अपनी व्यापक हार से सीखने में विफल रहे और चैंपियंस ट्रॉफी में भी इसी तरह की गलतियां दोहराई गईं। इंग्लैंड के कीवी कोच ने स्वीकार किया, 'मुझे लगा कि भारत ने वास्तव में हमारे लिए अच्छी तैयारी की, भले ही हम वहां आसानी से हार गए। मुझे लगा कि यह एक प्रमुख टूर्नामेंट में आने से पहले जितनी अच्छी तैयारी हो सकती थी, उतनी ही थी और जाहिर है कि हमारे पास पहले दो मैचों में अपना मौका था, लेकिन आज रात हमने जो देखा, वह शायद इस बात का उदाहरण था कि हम टूर्नामेंट से बाहर क्यों हैं। जब दबाव डाला गया तो हम उसका सामना नहीं कर पाए और हम अपना रास्ता नहीं बना पाए और मुझे लगता है कि मैंने कल फिर से आपसे कहा था कि मुझे लगा कि हममें आत्मविश्वास की कमी है और मुझे लगता है कि आज इसका एक और उदाहरण है।

ऑस्ट्रेलिया का 'नीली जर्सी' से 36 का आंकड़ा, ट्रेविस हेड बना बड़ा खतरा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। जिस तरह खाने की चीज़ देखकर मुँह में पानी आ जाता है या बच्चों को खिलौना देखकर खुशी मिलती है, उसी तरह ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम को नीली जर्सी वाली टीमों को हराने में अलग ही जोश आता है। कंगारू टीम के लिए जैसे ही नीली जर्सी सामने आती है, उनकी रगों में उबाल आ जाता है और वे अपने पुराने अंदाज में लौट आते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी ऐसा ही कुछ देखने को मिला।

हालांकि, इस टूर्नामेंट में टीम इंडिया का ऑस्ट्रेलिया से अब तक सामना नहीं हुआ, लेकिन फिर भी दो ऐसी टीमें थीं जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैदान में उतरीं और दोनों टीमें इंग्लैंड और अफगानिस्तान का हश्र एक जैसा रहा। संयोग से दोनों ही टीमों की जर्सी नीले रंग की थी और दोनों को कंगारुओं ने मात दी। ऑस्ट्रेलिया के रेगुलर कप्तान पैट कमिंस, स्टार तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, मिचेल मार्श और मार्कस स्टोइनिस जैसे दिग्गज खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी के बावजूद यह टीम जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है। जब इंग्लैंड ने लाहौर में 351 रन बनाए तो ऐसा लगा कि वे मुकाबला जीत लेंगे, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लिस के शतक की बदौलत यह लक्ष्य भी हासिल कर लिया। इसके बाद अफगानिस्तान को भी कंगारुओं ने करारी शिकस्त दी।

ऑस्ट्रेलिया की इस लय के पीछे एक नाम है ट्रेविस हेड। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज के लिए नीली जर्सी वाली टीमों के खिलाफ खेलना जैसे किसी मिशन से कम नहीं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अफगानिस्तान के खिलाफ उन्होंने 40 गेंदों पर 60 रन ठोक डाले, जिसमें 10 चौके और 1 छक्का शामिल था। उनका स्ट्राइक रेट 147 का रहा। अगर थोड़ा पीछे जाएं, तो 2023 वर्ल्ड कप फाइनल में भी यही हुआ था। भारत के खिलाफ हेड ने 120 गेंदों पर 140 के स्ट्राइक रेट से 137 रन जड़ दिए थे, जिसमें 15 चौके और 4 छक्के शामिल थे। उस पारी ने भारत का तीसरी बार वर्ल्ड कप जीतने का सपना तोड़ दिया था। इतना ही नहीं, 2023 में हुए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में भी ऑस्ट्रेलिया और भारत का आमना-सामना हुआ था, और वहां भी हेड ने शतक ठोककर भारत को शिकस्त दिलाई थी।

भारत को रहना होगा सतर्क!

इतिहास गवाह है कि ऑस्ट्रेलिया जब भी किसी आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट मुकाबले में भारत से भिड़ा है, उसने ज्यादातर मौकों पर बाजी मार ली है। भारत अब चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में पहुंच चुका है, और अगर फाइनल में उसका मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होता है, तो रोहित शर्मा एंड कंपनी को कंगारुओं से बचने के लिए खास रणनीति बनानी होगी। क्या इस बार भारत 'नीली जर्सी' के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के अजेय रिकॉर्ड को तोड़ पाएगा? यह देखना दिलचस्प होगा!

प्रज्ञानानंदा ने लगातार अपनी दूसरी जीत हासिल की, जर्मनी के विंसेंट केमेर को दी मात

मुम्बई। ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए जर्मनी के विंसेंट केमेर को हराया और अब प्राग मास्टर्स शतरंज के चौथे दौर के बाद वह तीन अंक लेकर अराविंद चिदंबरम के साथ टॉप पर है। अराविंद ने अमेरिका के सैम शांकलैंड के साथ ड्रॉ खेला जबकि टॉप वरीयता प्राप्त चीन के वेई यि ने स्थानीय खिलाड़ी डेविड नवारा को हराया। नीदरलैंड के अनीश गिरी ने लगातार चौथा ड्रॉ खेला। उनकी बाजी तुर्किए के गुरेल एडिज के साथ बराबरी पर रही। चेक गणराज्य के ग्रैंडमास्टर एंगुयेन थाई देइ वान ने वियतनाम के कुआंग लेइम ली से ड्रॉ खेला। शांकलैंड, केमेर, गिरि और ली संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। प्रज्ञानानंदा का सामना अगले दौर में अराविंद से होगा जिसमें वह सफेद मोहरों से खेलेंगे। चैलेंजर वर्ग में दिव्या देशमुख ने चीन की मा कुन से ड्रॉ खेला और अब चार मुकाबलों के बाद उनके डेढ अंक हैं। बता दें कि, इससे पहले आर प्रज्ञानानंदा ने डी गुकेश को हराकर टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज खिताब जीता था। पहली बार किसी भारतीय ने ये खिताब अपने नाम किया था।

बटलर के बाद कौन होगा इंग्लैंड का कप्तान? टीम में हैं तीन मजबूत दावेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर होने के बाद टीम की कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। मैच के बाद उन्होंने कहा था कि वे इस बारे में सोचेंगे, लेकिन अगले ही दिन उन्होंने वनडे टीम की कप्तानी से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया। वे चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के टीम के आखिरी लीग मैच में साउथ अफ्रीका के खिलाफ कप्तानी करते नजर आएंगे, लेकिन इसके बाद इंग्लैंड की व्हाइट बॉल टीम का कप्तान कौन होगा? इंग्लैंड की टीम की कप्तानी हैरी ब्रूक ने कुछ महीने पहले की थी। वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की वनडे सीरीज में कप्तान रह चुके हैं और वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को उनकी टीम ने 3-2 से हराया था। मौजूदा समय में इंग्लैंड के बाहर उनसे रन नहीं बन रहे हैं। इसके बावजूद उनकी दावेदारी कप्तानी के लिए मजबूत लग रही है।

इंग्लैंड के ओपनर बेन डकेट की लोकप्रियता भी कम नहीं है। इंग्लैंड की टीम को कई बार बेन डकेट ने संघर्षों से बाहर निकाला है। उन्होंने मध्य क्रम में भी कुछ अच्छी पारियां खेली हैं। वह तीनों फॉर्मेट में खेलते हैं और एक सीनियर प्लेयर हैं। उनके साथ समस्या है कि जब भी वह बोलते हैं तो इंग्लैंड के प्रशंसकों को परेशान कर देते हैं। उन्होंने हाल ही में बयान दिया था कि भारत के खिलाफ वनडे सीरीज जीतने से अच्छा है कि चैंपियंस ट्रॉफी जीते, लेकिन ऐसा नहीं कर पर पाए। इसमें कुछ बुरा नहीं है।

अगर इंग्लैंड की भारत से पहले की सीरीज देखें तो वहां लियाम लिविंगस्टोन ने प्रभावित किया था और एक शतक जड़ा था। वे मैच्योर प्लेयर हैं और सीधे साफ बोलने के लिए मशहूर हैं। वे शॉर्ट फॉर्मेट में उनकी टीम में जगह भी फिलहाल पक्की है। ऐसे में वे कप्तानी के दावेदार हैं। इसके अलावा जो रूट और बेन स्टोक्स भी ब्रैंडन मैकुलम के साथ सीमित ओवरों की टीम की कप्तानी करते नजर आ सकते हैं।

2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत का दावा 'मजबूत' : सेबेस्टियन को

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष पद के दावेदार सेबेस्टियन को का मानना है कि 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत का दावा 'मजबूत' है लेकिन कई अन्य देशों के इस दौड़ में शामिल होने से प्रतिस्पर्धा कठिन होगी। भारत ने आईओसी के भावी मेजबान आयोग को 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी के लिए पहले ही आशय पत्र सौंप दिया है जो वैश्विक खेल की शीर्ष संस्था के साथ महीनों की अनौपचारिक बातचीत के बाद एक महत्वाकांक्षी योजना में पहला ठोस कदम है। को ने 'पीटीआई' से विशेष साक्षात्कार में कहा, ''मेरी पृष्ठभूमि को देखते हुए मेरे यह कहने से आपको हैरानी नहीं होगी कि मैं बहुत खुश हूं कि भारत वैश्विक खेल और विशेष रूप से ओलंपिक आंदोलन के लिए प्रतिबद्ध है। मुझे यह सुनकर बहुत खुशी हुई।'' उन्होंने कहा, ''पर यह बहुत प्रतिस्पर्धी होगा। क्योंकि इसमें सिर्फ एक ही बोलीदाता नहीं होगा, लेकिन भारत इसे बहुत मजबूत दावा बना सकता है।'' पोलैंड, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका, कतर, हंगरी, तुर्कीये, मैक्सिको और मिस्र उन अन्य देशों में शामिल हैं जिन्होंने 2036 ओलंपिक की मेजबानी की इच्छा व्यक्त की है। 2036 खेलों के मेजबान देश का 2026 से पहले पता नहीं चलेगा। लेकिन यह निश्चित है कि नए आईओसी प्रमुख के 20 मार्च के चुनाव के विजेता की अध्यक्षता के दौरान मेजबान का चयन किया जाएगा। आईओसी अध्यक्ष के रूप में चुनाव लड़ने वाले सात उम्मीदवारों में उन्हें सबसे आगे माना जा रहा है। 68 वर्षीय को दो बार ओलंपिक 1500 मीटर के स्वर्ण पदक विजेता हैं। उन्होंने भारत को सलाह देते हुए कहा कि अगर उसे 2036 ओलंपिक की मेजबानी का अधिकार नहीं मिलता है तो उसे ओलंपिक आयोजित करने की अपनी महत्वाकांक्षा को खत्म नहीं करना चाहिए।

'मैंने वेट्रेस के तौर पर काम किया' : गुजरात जायंट्स की ऑलराउंडर का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात जायंट्स की इंग्लिश ऑलराउंडर डेनियल गिब्सन ने खुलासा किया कि वह पूर्णकालिक क्रिकेटर बनने से पहले वेट्रेस के तौर पर काम करती थीं, हालांकि उन्हें यह पसंद नहीं था। गिब्सन ने पैसे कमाने के लिए एक स्थानीय पब में वेट्रेस के तौर पर काम किया। उन्होंने WPL 2025 मिनी-नीलामी में जायंट्स से 30 लाख रुपए का अनुबंध हासिल किया। गिब्सन ने 22 टी20आई में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया है। हालांकि वह महिला प्रीमियर लीग में अपना व्यापार करके अच्छी खासी कमाई कर रही हैं, लेकिन हमेशा से ऐसा नहीं था। गिब्सन ने रैपिड-फायर सेशन के दौरान बोलते हुए कहा, 'मैंने इंग्लैंड में एक पब में वेट्रेस के तौर पर काम किया। मुझे इसमें मजा नहीं आया।'

उसी वीडियो में गिब्सन ने बताया कि पहली बार वह 18 साल पहले लॉर्ड्स में लाइव क्रिकेट मैच देखने गई थी, जब वह सिर्फ छह साल की थी। उसने आगे बताया कि वह अपने भाइयों को टूर्नामेंट के फाइनल में खेलते हुए देखने गई थी। जब गिब्सन से उनके पहले क्रिकेट हीरो के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर एंड्रयू फ्लिंटॉफ का नाम लिया। उन्होंने बताया कि उनका पहला फोन सैमसंग टचस्क्रीन डिवाइस था। जब उनसे उनके पहले टैटू के बारे में पूछा गया तो गिब्सन ने कहा, 'मुझे क्रिकेट पसंद नहीं, बहुत पसंद है। 2001 में ग्लॉस्टरशायर में जन्मी गिब्सन ने जुलाई 2023 में बर्मिंघम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20आई में इंग्लैंड के लिए पदार्पण किया। वह आखिरी बार पिछले महीने नॉर्थ सिडनी में गवर्नर-जनरल XI महिलाओं के खिलाफ महिला एशेज टूर गेम में नजर आई थीं, जहां उन्होंने 3-0-14-0 की अच्छी गेंदबाजी की थी। जायंट्स के अलावा गिब्सन एडिलेड स्ट्राइकर्स और लंदन स्पिरिट के लिए भी खेल चुके हैं। इस बीच एशले गार्डनर ने 31 गेंदों पर 58 रनों की धमाकेदार पारी खेलकर टीम की अगुआई की जिससे निचले पायदान पर मौजूद जायंट्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पर छह विकेट से जीत दर्ज करके अपनी हार का सिलसिला तोड़ा। गेंदबाजी करने का फैसला करते हुए जायंट्स ने डिएंड्रा डॉटिन (2/31) और तनुजा कंवर (2/16) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत बेंगलुरु को 125/7 के औसत स्कोर पर ही रोक दिया। जायंट्स ने बेंगलुरु के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए सिर्फ 17 ओवर लिए और अब उनका अगला मुकाबला 3 मार्च को लखनऊ में यूपी वॉरियर्स से होगा।

कैसे दक्षिणमुखी मकान में नहीं होता दक्षिण दोष

वास्तु शास्त्र में दक्षिण दिशा के मकान को कुछ परिस्थिति को छोड़कर अशुभ और नकारात्मक प्रभाव वाला माना जाता है। दरअसल, हर दिशा में कोई न कोई ग्रह स्थित है जो कि अपना अच्छा या बुरा प्रभाव डालता है। यह निर्भर करता है मकान के वास्तु, मुहल्ले के वास्तु और उसके आसपास स्थित वातावरण और वृक्षों की स्थिति पर।

प्रत्येक ग्रह का अपना एक वृक्ष होता है। जैसे चंद्र की शनि से नहीं बनती और यदि आपने घर के सामने चंद्र एवं शनि से संबंधित वृक्ष या पौधे लगा दिए हैं तो यह कुंडली में चंद्र और शनि की युति के समान होते हैं जो कि विषयोग कहा गया है। आओ जानते हैं कि कैसे दक्षिणमुखी मकान में नहीं होता दक्षिण दोष?

- यदि दक्षिणमुखी मकान के सामने द्वार से दोगुनी दूरी पर स्थित नीम का हराभरा वृक्ष है तो दक्षिण दिशा का असर कुछ हद तक समाप्त हो जाएगा।
- यदि दक्षिणमुखी मकान के सामने मकान से दोगना बड़ा कोई दूसरा मकान है तो दक्षिण दिशा का असर कुछ हद तक समाप्त हो जाएगा।
- दक्षिणमुखी मकान का दोष खत्म करने के लिए द्वारा के उपर पंचमुखी हनुमानजी का चित्र भी लगाना चाहिए।
- दक्षिण मुखी प्लाट में मुख्य द्वार आग्नेय कोण में बना है और उत्तर तथा पूर्व की तरफ ज्यादा व पश्चिम व दक्षिण में कम से कम खुला स्थान छोड़ा गया है तो भी दक्षिण का दोष कम हो जाता है।। बगीचे में छोटे पौधे पूर्व-ईशान में लगाने से भी दोष कम होता है।
- आग्नेय कोण का मुख्यद्वार यदि लाल या मरून रंग का हो, तो श्रेष्ठ फल देता है। इसके अलावा हरा या भूरा रंग भी चुना जा सकता है। किसी भी परिस्थिति में मुख्यद्वार को नीला या काला रंग प्रदान न करें।
- दक्षिण मुखी भूखण्ड का द्वार दक्षिण या दक्षिण-पूरब में कतई नहीं बनाना चाहिए। पश्चिम या अन्य किसी दिशा में मुख्य द्वार लाभकारी होता हैं।
- यदि आपका दरवाजा दक्षिण की तरफ है तो द्वार के ठीक सामने एक आदमकद दर्पण इस प्रकार लगाएं जिससे घर में प्रवेश करने वाले व्यक्ति का पूरा प्रतिबिंब दर्पण में बने। इससे घर में प्रवेश करने वाले व्यक्ति के साथ घर में प्रवेश करने वाली नकारात्मक उर्जा पलटकर वापस चली जाती है।

कैसा होना चाहिए घर का मुख्य द्वार

घर के दरवाजे बहुत ही महत्वपूर्ण होते हैं। कई बार हम मकान खरीदते वक्त या बनवाते वक्त यह ध्यान नहीं देते हैं कि किस प्रकार के दरवाजे लगाए जा रहे हैं। घर का मुख्य द्वार वास्तु अनुसार होता है तो कई समस्याएं स्वतः ही समाप्त हो जाती है। बेहतर होगा कि दरवाजा शीशम या सागौन की लकड़ी और धातु का बना हो। दरजावा किसी भी प्रकार सा टूटा फूटा या तिरछा नहीं होना चाहिए। द्वार के खुलने बंद होने में आने वाली चरमराती ध्वनि स्वरवेध कहलाती हैं जिसके कारण आकस्मिक अप्रिय घटनाओं को प्रोत्साहन मिलता है। आओ जानते हैं कि घर का मुख्य द्वार कैसा होना चाहिए।

- एक सीध में तीन दरवाजे नहीं होना चाहिए।
- दरवाजे के भीतर दरवाजा नहीं बनाना चाहिए।
- एक पल्ले वाला दरवाजा नहीं होना चाहिए। दो पल्ले वाला हो।
- ऐसा दरवाजा नहीं होना चाहिए जो अपने आप खुलता या बंद हो जाता हो।
- घर का मुख्य द्वार बाहर की ओर खुलने वाला नहीं होना चाहिए।
- कुछ दरवाजे ऐसे होते हैं जिनमें खिड़कियां होती हैं ऐसे दरवाजों में वास्तुदोष हो सकता है।
- मुख्य द्वार त्रिकोणाकार, गोलाकार, वर्गाकार या बहुभुज की आकृति वाला नहीं होना चाहिए।
- मुख्य दरवाजा छोटा और उसके पीछे का दरवाजा बड़ा नहीं होना चाहिए। मुख्य दरवाजा बड़ा होना चाहिए।
- घर के ऊपरी माले के दरवाजे निचले माले के दरवाजों से कुछ छोटे होने चाहिए।
- घर में दो मुख्य द्वार हैं तो वास्तुदोष हो सकता है। विपरीत दिशा में दो मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए।

क्या कोई युग लाखों वर्ष का होता है

युग क्या होता है इस संबंध में 5 तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं। दूसरी बात यह कि भारत के धार्मिक इतिहास को युगों की प्रचलित धारण में लिखना या मानना कितना उचित है? जैसे कि श्रीराम जी त्रैता में और श्रीकृष्ण जी द्वापर में हुए थे। इस तरह तो इतिहास कभी नहीं लिखा जा सकता है। इतिहास को तो तारीखों में ही लिखना होता है और वह भी तथ्य और प्रमाणों के साथ। आओ जानते हैं कि युग की 5 मान्यताएं।

उल्लेखनीय है कि आपने सुना ही होगा मध्ययुग, आधुनिक युग, वर्तमान युग जैसे अन्य शब्दों को। इसका मतलब यह कि युग शब्द को कई अर्थों में प्रयुक्त किया जाता रहा है। मतलब यह कि युग का मान एक जैसी घटनाओं के काल से भी निर्धारित हो सकता है। तो क्या यह सही है या कि युग की धारणा कुछ और ही है?

पहली मान्यता

युग के बारे में कहा जाता है कि 1 युग लाखों वर्ष का होता है, जैसा कि सतयुग लगभग 17 लाख 28 हजार वर्ष, त्रेतायुग 12 लाख 96 हजार वर्ष, द्वापर युग 8 लाख 64 हजार वर्ष और कलियुग 4 लाख 32 हजार वर्ष का बताया गया है।

दूसरी मान्यता

एक पौराणिक मान्यता के अनुसार प्रत्येक युग का समय 1250 वर्ष का माना गया है। इस मान से चारों युग की एक चक्र 5 हजार वर्षों में पूर्ण हो जाता है।

तीसरी मान्यता

भारतीय ज्योतिषियों ने समय की धारणा को सिद्ध धरती के सूर्य की परिक्रमा के आधार पर नहीं प्रतिपादित किया है। उन्होंने संपूर्ण तारामंडल में धरती के परिभ्रमण के पूर्ण कर लेने तक की गणना करके वर्ष के आगे के समय को भी प्रतिपादित किया है। वर्ष को 'संवत्सर' कहा गया है। 5 वर्ष का 1 युग होता है। संवत्सर, परिवत्सर, इद्वत्सर, अनुवत्सर और युगवत्सर ये युगात्मक 5 वर्ष कहे जाते हैं। बृहस्पति की गति के अनुसार प्रभव आदि 60 वर्षों में 12 युग होते हैं तथा प्रत्येक युग में 5-5 वत्सर होते हैं। 12 युगों के नाम हैं- प्रजापति, धाता, वृष, व्यय, खर, दुर्मुख, प्लव, पराभव, रोधकृत, अनल, दुर्मति और क्षय। प्रत्येक युग के जो 5 वत्सर हैं, उनमें से प्रथम का नाम संवत्सर है। दूसरा परिवत्सर, तीसरा इद्वत्सर, चौथा अनुवत्सर और 5वां युगवत्सर है।

चौथी मान्यता

ऋग्वेद के अन्य 2 मंत्रों से 'युग' शब्द का अर्थ काल और अहोरात्र भी सिद्ध होता है। 5वें मंडल के 76वें सूक्त के तीसरे मंत्र में 'नहुषा युगा मन्हारजांसि दीयथः' पद में युग शब्द का अर्थ 'युगोपलक्षितान कालान प्रसरादिसवनान अहोरात्रादिकालान वा' किया गया है। इससे स्पष्ट है कि उदय काल में युग शब्द का अन्य अर्थ अहोरात्र विशिष्ट काल भी लिया जाता था। ऋग्वेद के छठे मंडल के नौवें सूक्त के चौथे मंत्र में 'युगे-युगे विदध्यं' पद में युगे-युगे शब्द का अर्थ 'काले-काले' किया गया है। वाजसनेयी संहिता के 12वें अध्याय की 11वीं कंडिका में 'दैव्यं मानुषा युगा' ऐसा पद आया है। इससे सिद्ध होता है कि उस काल में देव युग और मनुष्य युग ये 2 युग प्रचलित थे। तैतिरीय संहिता के 'या जाता ओ वधयो देवेभ्यस्त्रियुगं पुरा' मंत्र से देव युग की सिद्धि होती है।

पांचवीं मान्यता

धरती अपनी धूरी पर 23 घंटे 56 मिनट और 4 सेकंड अर्थात 60 घटी में 1,610 प्रति किलोमीटर की रफ्तार से घूमकर अपना चक्कर पूर्ण करती है। यही धरती अपने अक्ष पर रहकर सौर मास के अनुसार 365 दिन 5 घंटे 48 मिनट और 46 सेकंड में सूर्य की परिक्रमा पूर्ण कर लेती है, जबकि चन्द्रमास के अनुसार 354 दिनों में सूर्य का 1 चक्कर लगा लेती है। अब सौरमंडल में तो राशियां और नक्षत्र भी होते हैं। जिस तरह धरती सूर्य का चक्कर लगाती है उसी तरह वह राशि मंडल का चक्कर भी लगाती है। धरती को राशि मंडल की पूरी परिक्रमा करने या चक्कर लगाने में कुल 25,920 साल का समय लगता है। इस तरह धरती का एक भोगकाल या युग पूर्ण होता है। वैज्ञानिक कहते हैं कि लगभग 26,000 वर्ष बाद हमेशा ही उत्तर में दिखाई देने वाला ध्रुव तारा अपनी दिशा बदलकर पुनः उत्तर में दिखाई देने लगता है।

सूर्योपासना के समय जपें ये खास मंत्र

महिलाओं को रविवार और सोमवार को सूर्योपासना से घर में समृद्धि व गर्भवती महिलाओं को गुणी पुत्र की प्राप्ति होती है। बह्मवैवर्त पुराण के अनुसार इन दिनों में खेजड़ी के पेड़ के नीचे प्रातः काल सूर्योपासना करते हुए इस मंत्र का 51 बार जाप करने से लाभ मिलता है-

नमः उग्राय वीराय सारंगाय नमो नमः।
नमः पद्मप्रबोधाय प्रचंडाय नमोस्तु ते।।
ओम आदित्याय नमः।

आत्मबल, बुद्धि, इन्द्रियों में सौम्यता, शिष्टता, काम, क्रोधादि शमन व मानसिक पीड़ा से मुक्ति के लिए इन महीनों में आने वाले हर रविवार को खेजड़ी के नीचे सूर्य के सामने बैठ इस मंत्र का 51 बार वाचन करें। पेड़ के नीचे की मिट्टी को लाकर घर में फेंकना शुभ होता है।

ओम नमः पूर्वाय गिरये पश्चिमायाद्रये नमः।
ज्योतिर्गणानां पतये दिनाधिपतये नमः।।
ओम सूर्याय नमः।

जिन महिलाओं को संतान सुख न हो, ऐसी महिलाओं को आंवले के पेड़ के नीचे अथर्ववेद के इस मंत्र का 101 बार जाप व सूर्य देव को जल सिंचन करने से संतान प्राप्ति सुख संभव है-

परिहस्त विधारय योनिं गर्भाय धातवे।
ओम भास्कराय नमः।

नीलें रंग के अपराजिता (विष्णुकान्ता) नामक पौधे के नीचे इस मंत्र का जाप करने से घर के मुकदमेबाजी व न्यायालय में विजय, घर में समृद्धि व स्नायु तंत्र (नर्वस सिस्टम), चर्म रोग व श्वसन संबंधी रोगों से मुक्ति मिलती है। इस पौधे के न होने की दशा में पीपल के पेड़ के नीचे बैठकर सूर्य को जल सिंचन कर इस मंत्र का 101 बार जाप करें -

ओम विश्वानिदेव सवितुः दुरितानि परांसुवः
यद् भद्रं तन्नासुवः। सूर्य कृणोतु भेशजं
चन्द्रमा वोपोच्छतु।।
ओम सूर्याय नमः।

दीर्घायु व हृदय संबंधी बीमारियों के लिए आश्विन व कार्तिक मास के प्रति रविवार बड़, ढाक, अशोक या सूर्यमुखी पौधे के नीचे आदित्य हृदय स्तोत्रम का पाठ करें या अथर्ववेद के इस मंत्र का 51 बार जाप करें -

उत सूर्योदिव एति पुरो रक्षांसि निजूर्वन।
ओम भानवे नमः।

कुशाग्र बुद्धि, इंटरव्यू में सफलता व शिक्षा से जुड़े पक्षों तथा वायु संबंधी रोगों के निवारण के लिए अथर्ववेद के इस मंत्र का पीपल के पेड़ के नीचे प्रातः काल हर रविवार इस मंत्र के जाप से मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

यं जीवमष्नवामहै न स रिष्याति पुरुषः।
त्वं सूर्यस्य रश्मिभिस्त्वं नोअसियझिया।।
ओम सूर्याय नमः।

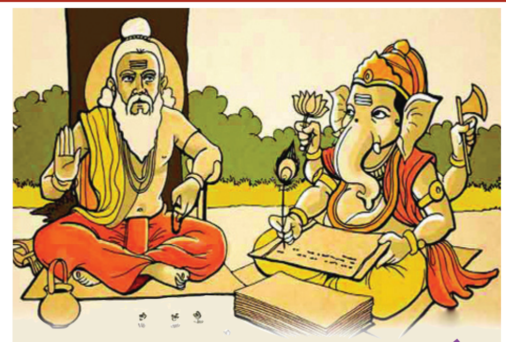

महाभारत काल में हुआ था गणेशजी का गजानन अवतार

मोदक प्रिय श्री गणेशजी विद्या-बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता हैं तथा थोड़ी उपासना से ही प्रसन्न हो जाते हैं। उन्हें हिन्दू धर्म में प्रथम पूज्य देवता माना गया है। किसी भी कार्य को प्रारंभ करने के पूर्व उन्हीं का स्मरण और पूजन किया जाता है। गणेशजी ने तीनों युग में जन्म लिया है और वे आगे कलयुग में भी जन्म लेंगे।

धर्मशात्रों के अनुसार गणपति ने 64 अवतार लिए, लेकिन 12 अवतार प्रख्यात माने जाते हैं जिसकी पूजा की जाती है। अष्ट विनायक की भी प्रसिद्धि है। आओ जानते हैं उनके द्वापर के अवतार गजानन के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

- द्वापर युग में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं।
- द्वापर युग में गणपति ने पुनः पार्वती के गर्भ से जन्म लिया व गणेश कहलाए।
- परंतु गणेश के जन्म के बाद किसी कारणवश पार्वती ने उन्हें जंगल में छोड़ दिया, जहां पर पराशर मुनि ने उनका पालन-पोषण किया। ऐसा भी कहा जाता है कि वे महिष्मति वरेण्य वरेण्य के पुत्र थे। कुरुप होने के कारण उन्हें जंगल में छोड़ दिया गया था।
- इन्हीं गणेशजी ने ही ऋषि वेदव्यास के कहने पर महाभारत लिखी थी।
- इस अवतार में गणेश ने सिंदुरासुर का वध कर उसके द्वारा कैद किए अनेक राजाओं व वीरों को मुक्त कराया था।
- इसी अवतार में गणेश ने वरेण्य नामक अपने भक्त को गणेश गीता के रूप में शाश्वत तत्व ज्ञान का उपदेश दिया।

सुनसान जगह पर नहीं रहना चाहिए घर

हिन्दू पुराणों और वास्तु शास्त्र में कुछ जगहों पर एक सभ्य व्यक्ति को नहीं रहना चाहिए। यदि वह वहां रहता है तो निश्चित ही उसके जीवन और भविष्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। घर यह सुकून का नहीं है तो कैसे जीवन में सुकून आएगा। जैसे चौराहे, तिराहे, अवैध गतिविधियों वाली जगह, शोर मचाने वाली दुकान या फैक्ट्री आदि। इन्हीं में से एक है सुनसान इलाका। दरअसल, आप जहां रहते हैं उस स्थान से ही आपका भविष्य तय होता है। यदि आप गलत जगह रह रहे हैं तो अच्छे भविष्य की आशा मत कीजिये। आओ जानते हैं कि क्यों नहीं रहना चाहिए सुनसान जगह पर।

- दो तरह के सुनसान होते हैं एक मरघट की शांति वाले और दूसरे एकांत की शांति वाले। कई लोग एकांत में रहना पसंद करते हैं। इसके चलते वे सुनसान में रहने चले जाते हैं। सुनसान जगह पर रहने के कई खतरें हैं और साथ ही शास्त्रों में ऐसी जगहों पर रहने की मनाही है।
- भविष्य पुराण अनुसार आपका घर नगर या शहर के बाहर नहीं होना चाहिए। गांव या शहर में रहना ही तुलनात्मक रूप से अधिक सुरक्षित होता है।
- यदि घर बहुत सुनसान स्थान पर या शरह-गांव के बाहर होगा तो जब भी आप घर से बाहर कहीं जाएंगे उस दौरान आपके मन और मस्तिष्क में घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी।
- यह तो आप भी जाते होंगे कि सभी सुनसान स्थान पर अपराधी आसानी से अनिष्ट संबंधी गतिविधियों को अंजाम दे सकते हैं।
- दूसरी बात यदि शहर से दूर घर है तो रात-बिरात आने जाने में भी आपको परेशानियों का सामना करना पड़ेगा, भले ही आपके पास कार या बाइक हो।
- सुनसान जगहों को राहु और केतु की बुराई का स्थान माना जाता है। यहां पर घटना और दुर्घटना के योग बने रहते हैं।
- सुनसान जगहों पर नकारात्मक ऊर्जा और नकारात्मक विचार बहुत तेजी से पनपते हैं।
- जहां अस्पताल, विद्यालय, नदी, तालाब, स्वजन या मनुष्य की आबादी नहीं है वहां पर नहीं रहना चाहिए।

भाजपा अध्यक्ष के लिए मंथन: महिला को मिल सकती है जिम्मेदारी, वनथी और दग्गुबाती की चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के भीतर अध्यक्ष को लेकर विचार मंथन चल रहा है। इसमें किसके नाम पर सहमति बनेगी फिलहाल कुछ नहीं कहा जा सकता है। लेकिन भीतरखाने से जो निकलकर आ रहा है उसमें यही माना जा रहा है कि किसी महिला को भाजपा अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी जा सकती है। इसमें सुषमा स्वराज के नाम पहचान बना चुकी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और कोयंबटूर विधायक वनथी श्रीनिवासन एवं आंध्र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दग्गुबाती पुरंदेश्वरी इस पद के लिए सबसे संभावित उम्मीदवार मानी जा रही हैं।

भाजपा मार्च के मध्य तक अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा करने वाली है। यह निर्णय पार्टी के संगठनात्मक चुनावों के बाद लिया जाएगा। भगवा पार्टी फिलहाल 13 से अधिक राज्यों में संगठनात्मक चुनाव में व्यस्त है। पार्टी के सूत्रों के अनुसार, पार्टी के नए अध्यक्ष का चुनाव आंतरिक सहमति से किया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि भाजपा के इतिहास में पहली बार किसी महिला को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की संभावना है। इस बात की भी चर्चा है कि भाजपा दक्षिण भारत से किसी को यह जिम्मेदारी दे सकती है।

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा है कि भाजपा अगर किसी महिला को राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए चुनती है तो महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और कोयंबटूर विधायक वनथी श्रीनिवासन या आंध्र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दग्गुबाती पुरंदेश्वरी इस पद के लिए सबसे संभावित उम्मीदवार मानी जा रही हैं। दग्गुबाती पुरंदेश्वरी की दावेदारी इस पद के लिए सबसे अधिक है। 66 साल की पुरंदेश्वरी ने 2014 में कांग्रेस छोड़कर बीजेपी जॉइन की थी और संगठनात्मक मामलों में उनका महत्वपूर्ण अनुभव है। वर्तमान में वह आंध्र प्रदेश में बीजेपी की अध्यक्ष हैं और एक तेज-तर्रार महिला नेता के रूप में जानी जाती हैं।

भाषण के कारण सुषमा से तुलना

पुरंदेश्वरी को दक्षिण की सुषमा स्वराज के नाम से भी जाना जाता है। उनकी शानदार भाषण क्षमता और पांच भाषाओं में प्रवीणता के कारण उन्हें बीजेपी के समर्थकों में व्यापक स्वीकृति प्राप्त है। वहीं, वनथी श्रीनिवासन पार्टी के रणनीतिकार और गृह मंत्री अमित शाह द्वारा हाल ही में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होते देखा गया था। एक वरिष्ठ बीजेपी नेता ने बताया, वह अपनी मोर्चा के तहत कई सफल कार्यक्रम आयोजन के लिए जानी जाती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा अमित शाह द्वारा उन पर भरोसा किया जाता है।

मुंबई हवाई अड्डे पर 11 करोड़ की कोकीन जब्त, महिला गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर चेकिंग के दौरान राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने एक महिला को करोड़ों रूपये की कोकीन की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। महिला ब्राजील की निवासी है, जो भारत में कोकीन की तस्करी करने की कोशिश कर रही थी, लेकिन चेकिंग के दौरान उसे पकड़ लिया गया। महिला शातिर तरीके से कोकीन के कैप्सूल निगलकर ब्राजील से भारत आई थी। बताया गया है कि महिला अपने पेट के अंदर करीब 11 करोड़ की कोकीन छिपाकर तस्करी कर ब्राजील से मुंबई ला रही थी, लेकिन तस्कर महिला को मुंबई एयरपोर्ट पर ही पकड़ लिया गया। डीआरआई के अधिकारियों ने उस ब्राज़ीलियाई महिला को साओ पाउलो से भारत में ड्रग्स की तस्करी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। महिला ने भी तस्करी की बात कबूल भी की है। दरअसल चेकिंग के दौरान महिला ने खुद भी स्वीकार किया कि उसने कोकीन से भरे कैप्सूल्स निगले थे। इसके बाद उसे एक सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने 100 कैप्सूल्स बाहर निकाले। इनमें कुल 1,096 ग्राम कोकीन थी, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में कीमत लगभग 10.96 करोड़ आंकी गई है।

महाकुंभ में स्नान करने वाले किसी को भी नहीं हुआ त्वचा रोग : पाठक

-संगम के पानी की शुद्धता को लेकर विपक्षी नेताओं ने उठाए थे सवाल

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने संगम के पानी की शुद्धता को लेकर विपक्षी नेताओं द्वारा उठाई गई चिंताओं पर कहा कि महाकुंभ स्नान के बाद त्वचा रोग का कोई मामला सामने नहीं आया है। दरअसल विपक्षी नेताओं ने दावा किया था कि संगम में स्नान करने के बाद कई तीर्थ यात्री बीमार हो गए। पाठक ने कुंभ के दौरान की गई साफ-सफाई की तारीफ करते हुए कहा कि तीर्थयात्रियों की भारी संख्या के बावजूद त्वचा रोग का कोई मामला सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा कि गंगा की शुद्धता और कार्यक्रम के दौरान लागू किए गए स्वच्छता उपायों की सफलता पर जोर दिया। पाठक ने कहा कि सनातन और भारतीय संस्कृति पर आज से हमले नहीं हो रहे हैं, यह हमले सदियों से हो रहे हैं। हमारे वेद, पुराणों, श्रुतियों और स्मृतियों पर कुठाराघात किया गया। उन्होंने कहा कि तक्षशिला और नालंदा जैसे शिक्षा के उत्कृष्ट केंद्रों को नष्ट किया गया लेकिन हमारी संस्कृति अक्षुण्ण रही और वह दुनिया को मार्ग दिखती रही। हमारी संस्कृति में मनुष्य श्रेष्ठ है, जीव जंतु और वृक्ष भी हमारे परिवार का हिस्सा हैं। पूरी दुनिया हमारा परिवार है। यह सनातन के मूल में है। पाठक ने कहा कि महाकुंभ में हमने देखा 90 साल की सास को उसकी बहू कंधे पर उठाकर ले जा रही है। महाकुंभ में पूरब, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण से लोग आए, देश ही नहीं विदेशों से लोग आए। उन्होंने कहा कि यह वैश्विक उत्सव भारत और भारतीयता का परिचायक बना है। 2014 के बाद से पीएम मोदी के नेतृत्व में देश में आमूल चूल परिवर्तन आया है। आज हम गर्व से कहने लगे हैं कि हम भारतीय हैं।

अवैध तरीक से भारत में रही बांग्लादेशी महिला को कोर्ट ने दी सजा, कहा वापस भेजा जाए

ठाणे(एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक कोर्ट ने बांग्लादेशी महिला को भारत में अवैध रूप से रहने का दोषी माना है। कोर्ट ने उसे 14 माह 28 दिन के कारावास की सजा सुनाई है। इस मामले में 27 फरवरी को फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने निर्देश दिया कि तानिया को देश से निर्वासित किया जाए। उन?हें वापस बांग्लादेश भेजा जाए। मुकदमे के दौरान अतिरिक्त लोक अभियोजक ने कोर्ट को बताया कि तानिया बिना वैध पासपोर्ट या वीजा के मुंबई के बाहरी इलाके में रह रही थी। कोर्ट ने कहा कि विदेशी अधिनियम के मुताबिक अपनी राष्ट्रीयता साबित करने का दायित्व आरोपी पर है। बता दें कि लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों ने अभी तक दर्जनों अवैध बांग्लादेशियों की पहचान कर उन्हें वापस उनके देश भेज चुकी हैं। कुछ मामलों में कोर्ट ने भी तल्ख टिप्पणियां की है। सेशंस जज ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी का भारत में कोई स्थायी या अस्थायी पता नहीं है और वह भारतीय राष्ट्रीयता का कोई वैध प्रमाण देने में विफल रही है। अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष की दलीलों पर विचार करने के बाद कोर्ट ने तानिया को सजा सुनाई, जो उसने 9 दिसंबर 2023 को अपनी गिरफ्तारी के बाद से पूरी कर ली है। कोर्ट ने उसे निर्वासित करने का आदेश दिया है। इसके अलावा उसपर एक हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। कोर्ट ने कहा कि अगर वह जुर्माना नहीं भरती है तो उसे एक महीने की सश्रम कारावास की सजा काटनी होगी।

बगैर भारत के जिक्र किए पाकिस्तान में बच्चों को पढ़ाया जा रहा इतिहास

नई दिल्ली(एजेंसी)। पाकिस्तान की हिस्ट्री क्लास भारत से बहुत अलग है। पाकिस्तान के स्कूलों में इतिहास का सिलेबस मुख्य रूप से 'पाकिस्तान स्टडीज़' के अंतर्गत पढ़ाया जाता है। पाकिस्तान के ज्यादातर स्कूलों में इतिहास की पढ़ाई 711 ईस्वी में मुहम्मद बिन कासिम के सिंध पर आक्रमण से शुरू होती है। इसे पाकिस्तान में इस्लाम की एंट्री का प्रतीक माना जाता है। कुछ किताबों में हड़प्पा या सिंधु घाटी सभ्यता जैसी प्राचीन भारतीय सभ्यताओं का उल्लेख है, लेकिन वहां इन्हें विस्तार से नहीं पढ़ाया जाता है। इनका संबंध पाकिस्तानी पहचान से कम ही जोड़ा जाता है। वहीं, भारतीय स्कूलों में प्राचीन सभ्यताएं इतिहास का जरूरी हिस्सा हैं। पाकिस्तान स्कूल हिस्ट्री सिलेबस में मुगल काल, दिल्ली सल्तनत और अन्य मुस्लिम शासकों (जैसे गजनवी, गौरी) पर फोकस किया जाता है। इन कालखंडों को इस्लामी स्वर्ण युग के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। इनमें हिंदू शासकों (जैसे मौर्य, गुप्त) या गैर-मुस्लिम इतिहास का जिक्र नहीं होता है। पाकिस्तान एक मुस्लिम बहुल देश है और वहां की इतिहास की किताबों में इस बात को समझा जा सकता है। भारत में हर काल का इतिहास पढ़ाया जाता है।

मछुआरों की परेशानी पर राज्यपाल रवि ने कहा, 1974 की 'गलती' के लिए द्रमुक भी जिम्मेदार

चेन्नई । तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने कहा कि मछुआरों के मुद्दे का राजनीतिकरण करने और इसके लिए केंद्र को दोषी ठहराने के बजाय राज्य सरकार का

रचनात्मक दृष्टिकोण मछुआरों के आंसू पोंछने में काफी मददगार साबित होगा। श्रीलंका से गिरफ्तार मछुआरों और उनकी नौकाओं की शीघ्र रिहाई की मांग करने वाले प्रदर्शनकारी मछुआरों से रामेश्वरम में मुलाकात के बाद रवि ने कहा कि मछुआरा समुदाय 1974 में (भारत और श्रीलंका के बीच) एक 'अन्यायपूर्ण समझौते' का शिकार है, जो राज्य के गरीब मछुआरों की आजीविका संबंधी चिंताओं के प्रति बेहद असंवेदनशील था। राज्यपाल ने कहा कि सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) 1974 की गलतियों के लिए समान रूप से जिम्मेदार है, क्योंकि वह उस समय सत्ता में थी। 'एक्स' पर एक पोस्ट में राज्यपाल रवि ने कहा, ''आज रामेश्वरम की अपनी यात्रा के दौरान मैंने मछुआरा समुदाय के हमारे परेशान भाइयों और बहनों से मुलाकात की। मैं उनके साथ गहरी सहानुभूति रखता हूं। वे 1974 के एक अन्यायपूर्ण समझौते के शिकार हैं, जो हमारे गरीब मछुआरों की आजीविका संबंधी चिंताओं के प्रति बेहद असंवेदनशील था।

सीएम फडणवीस ने शिंदे के फैसले पर लगाई रोक, सफाई के ठेके को किया रद्द

-संजय राउत ने ली चुटकी, भ्रष्टाचार रोकने सीएम के फैसले का किया स्वागत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सीएम देवेंद्र फडणवीस के रिश्तों में सबकुछ खटास नजर आ रही है या फिर दोनों के बीच सबकुछ ठीक होने का दिखावा किया जा रहा है? यह सवाल इसलिए उठ रहे हैं कि सीएम फडणवीस ने शिंदे के कार्यकाल में हुए एक और फैसले पर रोक लगा दी है। जब एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र के सीएम थे, तब तानाजी सावंत के पास स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उस समय अधिकारियों के तबादले, एम्बुलेंस की खरीद में अनियमितता के आरोप लगे थे। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी सरकारी अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और उपकेंद्रों की सफाई का काम ठेके पर दिया था। इसके लिए हरसाल 638 करोड़ रुपए के हिसाब से तीन साल के लिए 3,190 करोड़ रुपए का ठेका पुणे की एक निजी कंपनी को दिया था, लेकिन अब इस ठेके को फडणवीस ने रद्द कर दिया है।

इस फैसले को लेकर सीएम देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच चल रहे गुप्त संघर्ष का संदेह विपक्ष जता रहा है, लेकिन शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता और सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर ने कहा इस फैसले के पीछे कोई पार्टीगत कारण नहीं है। सिर्फ स्वास्थ्य विभाग ही नहीं, बल्कि हर सरकारी विभाग को नियमों के मुताबिक काम करना चाहिए। हम जनता के प्रति उत्तरदायी हैं।

इस बीच शिवसेना (उद्धव गुट) पार्टी के नेता संजय राउत ने भी इस फैसला का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे के कार्यकाल में जो काम हुए, उनमें केवल भ्रष्टाचार ही हुआ था। शिंदे के समय स्वास्थ्य मंत्री कौन थे, यह सभी को पता है। बीजेपी ने भ्रष्ट मंत्रियों का विरोध किया था। उनमें से एक स्वास्थ्य मंत्री भी थे। सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग सीधे जनता से जुड़ा होता है, लेकिन अगर उस विभाग में भ्रष्टाचार हो रहा है तो यह सही नहीं है। सीएम देवेंद्र फडणवीस अगर इस भ्रष्टाचार को रोक रहे हैं तो हम उनका स्वागत करते हैं।

उत्तर भारत में मौसम के बदलते मिजाज से लोग परेशान

पहाड़ों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश की वजह से तापमान में गिरावट आई

नई दिल्ली(एजेंसी)। उत्तर भारत में मार्च के पहले हफ्ते में मौसम का अंदाजा लगाना मुश्किल साबित हो रहा है। दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, बिहार और पंजाब में लगातार बदलते मौसम ने लोगों को परेशानी में डाल दिया है। पहाड़ों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में तेज हवाओं के साथ बारिश की वजह से तापमान में गिरावट आई है। मौसम विभाग के अनुसार, 2 से 4 मार्च के बीच जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी बारिश और बर्फबारी की संभावना है। दिल्ली में भी मौसम की उलझन जारी है, हालांकि रविवार को बादल छाए रह सकते हैं। उत्तर प्रदेश में भी मौसम में बदलाव लिया जा रहा है, जिसका असर प्रदेश के सभी जिलों में देखने को मिल सकता है। ग्रीन अलर्ट जारी कर दिया गया है और न्यूनतम तापमान में गिरावट की संभावना है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में तेज हवाएं और बारिश की संभावना है, जिससे मौसम और भी उलझनियों से भरा हो सकता है। लोगों से सावधान रहने की सलाह दी गई है। उत्तर प्रदेश में भी मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। यहां बारिश और ओले गिरने से मौसम फिर से ठंडा हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित करेगा जिसका असर उत्तर प्रदेश में भी देखने को मिलेगा। प्रदेश के सभी जिलों में मौसम साफ रहेगा और इसके लिए ग्रीन अलर्ट जारी किया गया है। अगले 5 दिनों तक मौसम में कोई खास बदलाव नहीं होने की संभावना है हालांकि न्यूनतम तापमान में गिरावट हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक रविवार को लक्षद्वीप में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी तेज हवाओं और गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। अरुणाचल प्रदेश, केरल और लक्षद्वीप में बिजली गिरने की संभावना बनी हुई है। तटीय कर्नाटक में लू चलने की संभावना है जबकि गोवा के विभिन्न इलाकों में गर्म और आर्द्र मौसम हो सकता है। इसके अलावा भूमध्यरेखीय हिंद महासागर और मालदीव के आसपास के इलाकों में तेज हवाएं

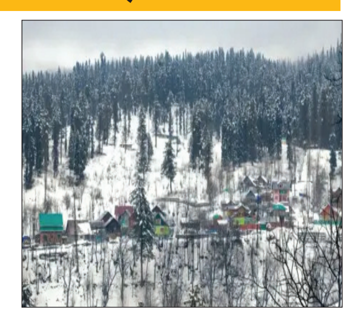

चल सकती हैं जिनकी रफ्तार 35 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 55 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है। मौसम विभाग ने इन इलाकों में मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी है।

पंजाब में नशा बेचने वालों को बख्शा नहीं जाएगा: अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब की मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दावा किया कि राज्य मं नशे और नशा तस्करी के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी जाएगी और नशा का कारोबार करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

मान के इस दावे का आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने समर्थन किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'पंजाब में नशे के खिलाफ हमारी सरकार ने महायुद्ध छेड़ दिया है। नशे ने हमारे युवाओं और बच्चों को बड़ी संख्या में बर्बाद कर दिया। नशा बेचने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पंजाब से नशे को हमेशा के लिए खत्म किया जाएगा।' दरअसल, मुख्यमंत्री भगवंत मान ने हाल ही में दावा किया कि किसी भी स्थिति में नशे को पंजाब से समाप्त करने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे। इस अभियान में पुलिस, स्थानीय प्रशासन और अन्य सरकारी विभागों का सहयोग लिया जा रहा है। इसी कड़ी में मंत्री और उच्च प्रशासनिक अधिकारी लगातार मुख्यमंत्री के साथ बैठकें कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री मान ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे नशे के खिलाफ अपनी कार्रवाई को तेज करें और इसे जड़ से खत्म करने के लिए ठोस कदम उठाएं। पंजाब सरकार ने नशे के खिलाफ अपनी मुहिम को और तेज करते हुए शनिवार को वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा के नेतृत्व में पांच मंत्रियों की बनी सब कमेटी की पहली बैठक आयोजित की। इस बैठक में नशे से जुड़ी सभी गंभीर समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा, तरुणप्रीत सिंह सोंध, डॉ बलबीर सिंह और लालजीत सिंह भुल्लर भी मौजूद थे। इसमें पंजाब के डीजीपी गौरव यादव और राज्य के मुख्य सचिव केएपी सिन्हा भी शामिल हुए। सभी ने नशे के खिलाफ राज्यव्यापी अभियान को लेकर मंथन किया। मंत्रियों को कुछ जिले सुपुर्द किए गए हैं।

मंत्री हरपाल चीमा को पठानकोट, गुरदासपुर, नवांशहर, रोपड़, तरनतारन और होशियारपुर जिलों का प्रभार सौंपा गया है। वहीं, कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा को लुधियाना, पटियाला, कपूरथला, मोहाली, अमृतसर और जालंधर जिलों की जिम्मेदारी दी गई है। मंत्री तरुणप्रीत सोंध को संगरूर, बरनाला, बठिंडा, फतेहगढ़ साहिब, मोगा और मलेरकोटला जिलों की निगरानी सौंपी गई है। वहीं, मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर को फरीदकोट, मुक्तसर, मानसा, फाजिल्का और फिरोजपुर जिलों की जिम्मेदारी दी गई है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ बलबीर सिंह को पूरे पंजाब का हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर और हेल्थ डिपार्टमेंट की निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वे राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े प्रशासनिक कामकाज की समीक्षा करेंगे और नशे की समस्या से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए कदम उठाएंगे।

बीजेपी पहले अपनी पार्टी को व्यवस्थित करें, कई नेता हमारे संपर्क में

-कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री ने कांग्रेस में विभाजन की खबरों को किया खारिज

बंगलुरु(एजेंसी)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कांग्रेस सरकार में विभाजन की अफवाहों को खारिज कर दिया है। उन्होंने दावा किया है कि बीजेपी के कई विधायक उनके संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी को पहले अपनी पार्टी को व्यवस्थित करना चाहिए। शिवकुमार ने कहा कि बीजेपी को पहले अपना घर ठीक करना चाहिए। जैसा कि मेरे कुछ मंत्रियों ने कहा है, कई बीजेपी विधायक हमसे संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं इस बारे में ज्यादा चर्चा नहीं करना चाहता। बीजेपी टूटे हुए घर की तरह है, जबकि कांग्रेस एकजुट है।

कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष ने 26 फरवरी को शिवरात्रि उत्सव के दौरान धर्मगुरु जग्गी वासुदेव और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ मंच साझा करने के बाद विवाद पैदा हो गया था। कांग्रेस के कई नेताओं ने इस कदम पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि सद्गुरु और शाह ने कांग्रेस पर खुलेआम हमला किया था। इसके बाद पार्टी में आंतरिक कलह की

अफवाहें फैलने लगी थी। बीजेपी ने दावा किया कि शिवकुमार कांग्रेस छोड़ सकते हैं और बीजेपी की मदद से वैकल्पिक सरकार बना सकते हैं।

शिवकुमार ने अपने इस फैसले को धार्मिक यात्रा बताते हुए राजनीतिक नहीं होने की बात कही। उन्होंने कहा कि सद्गुरु कर्नाटक के हैं और वे कावेरी जल के मुद्दे पर संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने मुझे व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया था। उनका बड़ा अनुयायी वर्ग है और वे महान काम कर रहे हैं। वहां कई राजनीतिक दलों के विधायक और नेता भी थे, इसलिए मैं वहां गया था।

सीएम पद को लेकर शिवकुमार ने बार-बार दिल्ली में पार्टी के नेताओं से यह मांग की है कि उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जाए। विधानसभा चुनावों के बाद एक शक्ति-विभाजन समझौता हुआ था। हालांकि, सिद्धारमैया खेमे ने ऐसे समझौतों को नकारते हुए दावा किया है कि वह पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। सीएम के करीब दर्जनों मंत्रियों ने पिछले कुछ हफ्तों में शिवकुमार के दावों पर खुलकर सवाल उठाए हैं। शिवकुमार की तुलना एकनाथ शिंदे से कर्नाटक बीजेपी ने शिवकुमार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से तुलना करते हुए यह कयास लगाए कि वे कांग्रेस में विभाजन उत्पन्न कर सकते हैं।

विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा कि कांग्रेस में कई नेता एकनाथ शिंदे की तरह हो सकते हैं। डीके शिवकुमार उनमें से एक हो सकते हैं। कर्नाटक बीजेपी अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने भी कांग्रेस पार्टी में आंतरिक कलह बढ़ने की बात कही है। हालांकि, शिवकुमार ने इन सभी राजनीतिक अफवाहों को निराधार और बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया है।

सड़क पर पड़ा था लावारिश सूटकेस, खोला तो निकली कांग्रेसी नेत्री की लाश

-हाथ में लगी थी मेंहदी, गले में थी चुनरी, मुंह से निकल रहा था खून

चंडीगढ़ (एजेंसी)।हरियाणा के संपाला बस अड्डे पर रात एक नीले रंग का लावारिस सूटकेस मिला। इस सूटकेस को जब खोला गया तो सब हैरान रह गए। सूटकेस में एक लड़की की लाश थी, जब शिनाख्त की गई तो युवती कांग्रेस कार्यकर्ता निकली, जिसका नाम हिमानी नरवाल (30) है। हिमानी की मौत से हरियाणा में हड़कंप मच गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हिमानी की हत्या गला घोंट कर की गई है। मारने से पहले उसे उसको खूब पीटा गया, जिस कारण उसके शरीर की कई हड्डियां टूट गईं थीं। फिर उसका गला घोंट दिया गया। इसके बाद हिमानी की लाश को सूटकेस में भरकर सूनसान जगह फेंक दिया था। अब पुलिस हिमानी की हत्या करने वाले का पता लगा रही है।

जानकारी के मुताबिक सूटकेस में लाश मिलने के बाद हिमानी की पहचान नहीं हो सकी थी। कुछ घंटों बाद परिजनों ने शव की पहचान की। पुलिस जब हिमानी

के घर विजयनगर पहुंची, तो घर पर ताला लगा था। पुलिस अब आसपास लगे सीसीटीवी खंगाल रही है, ताकि उस गाड़ी का पता चल सके, जिसने सूटकेस फेंका था। इसके अलावा हिमानी का फोन भी गायब था पुलिस फोन को भी ट्रैक कर रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक हिमानी के गले में काले रंग की चुन्नी थी उसी से गला घोंटा गया होगा क्योंकि वह चुन्नी सूटकेस में ही मिली है। हिमानी के हाथों में मेहंदी लगी थी और उसके होंठों से खून बह रहा था, जिससे साफ होता है कि हत्या से पहले वह बहुत दर्द में रही होगी। हिमानी कांग्रेस पार्टी की एक सक्रिय कार्यकर्ता थीं और सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय थीं। वह पिछले साल राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में भी शामिल हुई थीं। उसकी हत्या से कांग्रेस में भी शोक की लहर है। कांग्रेस ने इस मामले की निष्पक्ष जांच के लिए एसआईटी गठित करने की मांग की है।

बताया जा रहा है कि हिमानी का परिवार पहले भी कई दुखद घटनाओं से गुजर चुका है। हिमानी से पहले उनके भाई की भी हत्या की गई थी। इसके अलावा उनके पिता ने आत्महत्या कर अपनी जान दे दी थी। अब हिमानी की हत्या ने पूरा परिवार सदमे में है।

नीतीश और ममता के बाद अब कौन संभ्रालेगा इंडिया गठबंधन की कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनडीए को टक्कर देने के लिए भाजपा विरोधी कई दलों ने इंडिया गठबंधन बनाया था। इसके लिए बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने खूब भागदौड़ की थी। अंततः रिजल्ट वहीं के वहीं रहा। इस गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए कई चेहरे सामने आए जिसमें खुद नीतीश कुमार, टीएमसी प्रमुख एवं पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी और राहुल गांधी के नाम की भी चर्चा हुई। चर्चा सिर्फ चर्चा रह गए और इसका कोई नतीजा नहीं निकला। अब एक बार फिर नेतृत्व को लेकर बात हो रही है, इसमें सपा प्रमुख अखिलेश यादव की बात होने लगी है।

कई राज्यों में चुनावी हारों के बाद देश भर से इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के भीतर से आवाज उठने लगी। अधिकतर सहयोगी दलों ने कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि यह गठबंधन अब अपना महत्व खो रहा है। ऐसा कांग्रेस पार्टी की वजह से हो रहा है। दिल्ली में गठबंधन के दो सहयोगी दलों कांग्रेस और आप के अलग-अलग चुनाव लड़ने के कारण राज्य में भाजपा को शानदार जीत मिली है। इसी तरह हरियाणा में भी कांग्रेस और आप ने अलग-अलग चुनाव लड़ा था और वहां भी अनुमान के विपरीत भाजपा को शानदार जीत मिली थी।

इन दोनों राज्यों में कांग्रेस और आप के बीच तकरार का असर इंडिया गठबंधन के भविष्य पर पड़ने लगा। सहयोगी दलों से आवाज उठने लगी कि गठबंधन में कोई बड़ा नेता संयोजक पद पर होना चाहिए। इसमें सबसे बड़ा नाम पश्चिम बंगाल की सीएम और टीएमसी मुखिया ममता बनर्जी का था। ममता बनर्जी ने भी खुलेआम संयोजक की भूमिका निभाने की इच्छा जता चुकी है। फिर महाराष्ट्र में गठबंधन से सहयोगी दलों शिवसेना उद्धव गुट और शरद पवार की एनसीपी ने भी कांग्रेस के रवैये पर सवाल उठाए। जम्मू कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने भी गठबंधन के भविष्य को लेकर सवाल पूछे। दिल्ली चुनाव के दौरान आप नेता अरविंद केजरीवाल ने तो इंडिया गठबंधन से ही कांग्रेस को बाहर करने की मांग कर डाली थी।

इन सबके बीच अब इंडिया के संयोजक पक्ष के लिए एक नए चेहरे के नाम की चर्चा हो रही है। वो हैं सपा मुखिया अखिलेश यादव। सपा के एक बड़े नेता रविदास मेहरोत्रा ने कहा है कि यूपी में अखिलेश यादव सबसे बड़े नेता बनकर उभरे हैं। लोकसभा में सपा दूसरी सबसे बड़ी विपक्ष पार्टी है। उसके पास 37 सांसद हैं। ऐसे में हम चाहते हैं अखिलेश यादव हो इंडिया गठबंधन के संयोजक का पद दिया जाए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

दक्षिणी चीन में नदी में पोत और नौका की टक्कर होने से कम से कम 11 लोगों की मौत

बीजिंग, एजेंसी। चीन के दक्षिणी हिस्से में एक नदी में तेल रिसाव को साफ करने वाले एक पोत ने एक छोटी नौका को टक्कर मार दी, जिससे 11 लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य लोग लापता हैं। सरकारी मीडिया ने शुक्रवार रात यह जानकारी दी। देश की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने बताया कि मंगलवार की सुबह हुनान प्रांत में युआनशुई नदी में हुई दुर्घटना के दौरान 19 लोग पानी में गिर गए जिनमें से तीन को उसी दिन बचा लिया गया। दुर्घटना उस स्थान पर हुई जहां नदी औसतन 60 मीटर (200 फुट) से अधिक गहरी और 500 मीटर (1,600 फुट) चौड़ी है। शिन्हुआ ने बताया कितलाश एवं बचाव अभियान जारी रखी। दुर्घटना में बचे एक व्यक्ति के रिश्तेदार ने शंघाई के समाचार पत्र 'द पेपर' को बताया कि नौका ही उनके गांव में आने-जाने का मुख्य साधन है। 'द पेपर' द्वारा प्राप्त एक वीडियो में तेल रिसाव को साफ करने वाला एक बड़ा पोत शांत पानी में नौका को पीछे से टक्कर मारता दिखाई दे रहा है। चीन की समाचार एजेंसी ने बुधवार को बताया कि पोत पर सवार तीन लोग पुलिस की जांच के दायरे में हैं और उनमें से कोई भी घायल नहीं हुआ है।

आंचलिक क्षेत्र के लोगों के जीवन पर शी चिनफिंग का विशेष ध्यान

बीजिंग, एजेंसी। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने कहा था कि चीनी आधुनिकीकरण में जनकल्याण सर्वोपरि है। सत्तारूढ़ पार्टी और सरकार के सभी कार्यों का उद्देश्य जनता को बेहतर जीवन दिलाना है। वे हमेशा आम लोगों खासकर सुदूर क्षेत्र के लोगों के जीवन का विशेष ध्यान रखते हैं। शीपातुंग गांव दक्षिण चीन के हुनान प्रांत में स्थित एक पहाड़ी गांव है। नवंबर 2023 में शी चिनफिंग गरीबी उन्मूलन के निरीक्षण के लिए यहां आए थे। उस समय गांव में प्रति व्यक्ति वार्षिक आय सिर्फ 1,600 युआन थी। शी चिनफिंग ने गांववासियों के साथ बातचीत में कहा कि गरीब क्षेत्र को अपनी ठोस स्थिति के मुताबिक आय बढ़ाने का रास्ता निकालना चाहिए। यहां शी ने पहली बार लक्षित तरीके से गरीबी दूर करने का विचार रखा। शीपातुंग गांव के किसानों को शी की बात से प्रेरणा मिली। उन्होंने स्थानीय कढ़ाई व्यवसाय, कीवी उद्यान और किसान होटल का विकास किया। वर्ष 2017 में इस गांव को अति गरीबी से छुटकारा मिला और वर्ष 2024 में प्रति व्यक्ति आय 28 हजार युआन हो गई। वर्ष 2018 के वसंत त्योहार के पहले शी चिनफिंग ने दक्षिण पश्चिमी चीन के सछ्वांग प्रांत के पहाड़ों में स्थित चाओछुए जिले का दौरा किया और स्थानीय लोगों को त्योहार की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि चीन समाजवादी रास्ते पर चलता है। समाजवाद जनता को सुखमय जीवन दिलाता है, जिसमें एक ही जाति, परिवार व व्यक्ति पीछे नहीं रहने देना है। वर्ष 2024 तक चीन ने 50 राष्ट्रीय आधुनिक कृषि व्यवसाय पार्क और 200 शक्तिशाली कृषि कस्बे स्थापित किए। देश में अनाज का कुल उत्पादन पहली बार 7 खरब किलोग्राम से अधिक हो गया। ग्रामीण पुनरुत्थान का नया अभियान चीन की विशाल भूमि पर चलाया जा रहा है।

'धन्यवाद अमेरिका', 'धन्यवाद अमेरिकी राष्ट्रपति : ओवल ऑफिस में ट्रंप के साथ बहस के बाद जेलेंस्की ने कहा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने ओवल ऑफिस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस के साथ कहासुनी के बाद व्हाइट हाउस से रवाना होने के बाद यूक्रेन के समर्थन के लिए ट्रंप और अमेरिका का आभार व्यक्त किया। शुक्रवार को ओवल ऑफिस में बैठक के दौरान ट्रंप ने जेलेंस्की के प्रति तीखा रुख दिखाते हुए उनपर लाखों लोगों का जीवन खतरे में डालने का आरोप लगाया और कहा कि उनकी कार्रवाई से तीसरा विश्व युद्ध छिड़ सकता था। इसके जवाब में जेलेंस्की अमेरिका के साथ महत्वपूर्ण खनिज समझौते पर हस्ताक्षर किए बिना व्हाइट हाउस से रवाना हो गए। व्हाइट हाउस से प्रस्थान के कुछ ही मिनट बाद, जेलेंस्की ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, धन्यवाद अमेरिका, आपके समर्थन के लिए धन्यवाद, इस यात्रा के लिए धन्यवाद। अमेरिकी राष्ट्रपति, कांग्रेस और अमेरिकी लोगों का धन्यवाद। यूक्रेन को न्यायपूर्ण और स्थायी शांति की आवश्यकता है, और हम बस उसी के लिए काम कर रहे हैं।

मेक्सिको ने 40 साल बाद अमेरिका को ड्रग माफिया सौंपा

2500 एकड़ में गांजे की खेती, अमेरिकी एजेंट की हत्या; कुत्ते ने झाड़ी से पकड़ा

वॉशिंगटन, एजेंसी। मेक्सिको ने 40 साल पहले अमेरिकी एजेंट की हत्या करने वाले ड्रग माफिया राफेल कारो क्विंटेरो को अमेरिका का सौंप दिया है। क्विंटेरो एफबीआई की टॉप-10 वॉन्टेड की लिस्ट में था। ऐसे दावे किए गए थे कि वो अमेरिकी जांच एजेंसी सीआईए के अधिकारियों को रिश्वत देकर अपने काम करवाता था। जब उसे पकड़ा गया, तो 40 साल की जेल हुई। लेकिन 28 साल जेल में काटने के बाद वो 2013 में फरार हो गया था। 10 साल बाद मेक्सिको के एक राज्य से एक खोजी कुत्ते ने ढूंढ निकाला।

किसान के घर पैदाइश, 2500 एकड़ में गांजे की खेती : राफेल कारो क्विंटेरो, मेक्सिको के सिनालोआ प्रांत के बदीरागुआतो में 24 अक्टूबर 1952 को पैदा हुआ था। यह इलाका मेक्सिको के कुख्यात ड्रग लार्ड्स (माफिया) का गढ़ रहा है। सबसे कुख्यात तस्करों में से एक जोआक्विन एल चापो गुजमैन भी इस इलाके से रहा है। क्विंटेरो एक गरीब किसान परिवार में पैदा हुआ था। उसने बचपन में ही खेतों में करना शुरू कर दिया था। कम उम्र में ही उसे ड्रग के बिजनेस में में ज्यादा पैसा कमाने की संभावना दिखी। उसने दो बड़े ड्रग माफियाओं मिगेल एंजेल फेलिक्स गालार्डो और एर्नेस्टो फोंसेका करिलो के साथ मिलकर, ग्वाडलहारा कार्टेल शुरू किया। क्विंटेरो ने अपने कार्टेल को बड़ा करने के लिए बड़े पैमाने पर गांजे की खेती शुरू की। उसने मेक्सिको के चिहुआहुआ राज्य में 2500 एकड़ में एक खेत तैयार किया।

इस खेती ने ग्वाडलहारा कार्टेल को ड्रग के बिजनेस में ताकतवर बना दिया था। यह कार्टेल मेक्सिको के पहले संगठित ड्रग कार्टेल में से एक था। यह गिरोह अमेरिका में मारिजुआना (गांजा) और हेरोइन की तस्करी करता था। बाद में इस कार्टेल ने कोलंबिया के कई कार्टेल्स के साथ मिलकर कोकीन की तस्करी का धंधा भी शुरू कर दिया।

अमेरिकी एजेंट को बेरहमी से पीटकर मारा : इस कार्टेल ने मेक्सिको और अमेरिका के बीच ड्रग ट्रैफिकिंग रूट पर कब्जा जमा लिया था। कार्टेल की बढ़ती ताकत ने उसे अमेरिकी ड्रग इन्फोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन (डीईए) की नजरों में ला दिया। 1980 के दशक की शुरुआत में, डीईए ने मेक्सिको के कार्टेल्स पर कार्रवाई तेज कर दी। एजेंसी का एक अंडरकवर एजेंट एनरिक कीकी कैमारेना, ग्वाडलहारा कार्टेल के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए काम कर रहा था। कैमारेना के इनपुट से डीईए को 1984 में कार्टेल के खेत के बारे में पता चल गया। इसके बाद एजेंसी ने खेत को नष्ट कर दिया, जिससे कार्टेल को बड़ा झटका लगा। क्विंटेरो ने इसका बदला लेने के लिए अमेरिकी एजेंट कैमारेना को किडनैप करने और उसकी हत्या करने का ऑर्डर दिया। क्विंटेरो के आदेश पर उसके लोगों ने फरवरी 1985 में कैमारेना को पकड़ लिया। उसे बेहरमी से पीटा गया और घंटों तक पूछताछ के बाद मार दिया। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि क्विंटेरो ने यूएस की सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (सीआईए) के अधिकारियों से सांठगांठ कर ली थी। वह इन अधिकारियों को मोटी रिश्वत देकर अमेरिका में अपने काम कराता था। डीईए के एजेंट एनरिक कैमारेना को इसकी जानकारी हो गई थी। जिसके बाद क्विंटेरो ने उसका अपहरण कर लिया और हत्या कर दी। हालांकि सीआईए इस आरोप से इनकार करती है कि उनका क्विंटेरो से कोई कनेक्शन था।

40 साल कैद मिली, फिर फरार हुआ : अमेरिकी ने एजेंट कैमारेना की हत्या का बदला लेने के लिए ऑपरेशन लयेन्डा शुरू किया। डीईए ने राफेल कारो क्विंटेरो को पकड़ने और उसके कार्टेल को खत्म करने के लिए बड़े पैमाने पर ऑपरेशन चलाया। इसके लिए अमेरिकी सरकार ने मेक्सिको पर दबाव बनाना शुरू किया। अमेरिका के दबाव में मेक्सिको ने अप्रैल 1985 में क्विंटेरो को कोस्टा रिका से गिरफ्तार किया। उसे 40 साल की सजा सुनाई गई। 28 साल सजा काटने के बाद मेक्सिको की लोअर कोर्ट ने क्विंटेरो को साल 2013 में जेल से रिहा कर दिया। कोर्ट ने कहा कि क्विंटेरो पर गलत तरीके से मुकदमा चलाया गया था। हालांकि, इससे अमेरिका बेहद नाराज हुआ। उसने फिर से ड्रग का व्यापार शुरू किया और अपने पुराने इलाकों को वापस कंट्रोल में लेने की कोशिश करने लगा। इसकी वजह से क्विंटेरो के कार्टल का, सिनालोआ और जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल जैसे ताकतवर कार्टेल्स से संघर्ष शुरू हो गया।

जेलेंस्की का ट्रंप के साथ अपने व्यवहार के लिए माफी मांगने से इनकार

वाशिंगटन, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच शुक्रवार दोपहर को एक बैठक के दौरान तीखी बहस हुई. इसके बाद यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने फॉक्स न्यूज को दिए एक स्पेशल इंटरव्यू में उनके और उनके अमेरिकी समकक्ष के बीच जो कुछ भी हुआ उसके लिए माफी मांगने से इनकार कर दिया. इटरव्यू के दौरान जेलेंस्की अपनी बात पर अड़े रहे और इस विवाद के लिए माफी नहीं मांगी, लेकिन उन्होंने इस घटना को दोनों पक्षों के लिए अच्छा नहीं माना. हालांकि, जेलेंस्की ने कहा कि अगर अमेरिका अपना समर्थन वापस ले लेता है तो यूक्रेन को रूस से बचाना हमारे लिए मुश्किल होगा. उन्होंने खेद व्यक्त किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ टकराव को टेलीविजन पर दिखाया गया, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा, कृपया सही रहें. मैं विनम्र होना चाहता हूं. यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें राष्ट्रपति ट्रंप से माफी मांगनी चाहिए, जेलेंस्की ने कहा, नहीं, मैं राष्ट्रपति का सम्मान करता हूं और मैं अमेरिकी लोगों का भी सम्मान करता हूं. मुझे नहीं लगता कि हमने कुछ बुरा किया है. ओवल ऑफिस में टकराव की योजना पहले से बनाई गई थी या नहीं, इस पर अपनी टिप्पणी साझा करते हुए उन्होंने कहा, यह वास्तव में एक कठिन स्थिति है. इससे पहले उन्होंने विवादास्पद वार्ता के दौरान अपने देश के संबंध में की गई कुछ कठोर टिप्पणियों का उल्लेख किया. उन्होंने अमेरिका का जिक्र करते हुए कहा, हमारी दोस्ती कहां है? यूक्रेन में न्याय और स्थायी शांति के लिए अपने उद्देश्य पर अड़े जेलेंस्की ने जोर देकर कहा कि खनिज सौदा सुरक्षा गारंटी की संरचना का हिस्सा है. इसके विपरीत, ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच संबंधों में हुए विकास को देखते हुए बेयर ने पूछा कि क्या ट्रंप पुतिन के बहुत करीब हैं।

चेक गणराज्य में मालगाड़ी पटरी से उतरी, रासायनिक पदार्थ के कारण लगी आग

प्राग, एजेंसी। चेक गणराज्य के पूर्वी क्षेत्र में एक मालगाड़ी के पटरी से उतर जाने के बाद उसके क्षतिग्रस्त टैंक में रखे कैंसरकारी रासायनिक पदार्थ 'बेंजीन' के कारण आग लग गई। यह दुर्घटना शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर 12 बजे 'हुस्टोपेस नाद बेकवू' शहर में स्टेशन के पास हुई और आग लगने के कारण निकला काला धुआं दूर से दिखाई दे रहा था। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। इस दुर्घटना में कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ है। अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने बताया कि ट्रेन के 17 में से 15 टैंक में आग लग गई। प्रत्येक टैंक में लगभग 60 मीट्रिक टन जहरीला पदार्थ था। उन्होंने आग पर काबू पाने के लिए हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया और पड़ोसी स्लोवाकिया से उनके समकक्ष मदद के लिए पहुंच रहे हैं। प्राधिकारियों ने बताया कि शहर में खतरनाक पदार्थों का स्तर सीमा से अधिक नहीं पाया गया है।

लंदन उच्च न्यायालय ने भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ संजय भंडारी की अपील स्वीकार की

लंदन, एजेंसी। लंदन उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को संजय भंडारी की भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील मंजूर कर ली। रक्षा क्षेत्र के सलाहकार भंडारी पर कथित कर चोरी और धनशोधन के आरोप हैं। लॉर्ड न्यायमूर्ति टिमोथी होलोयडे और न्यायमूर्ति करेन स्टेन ने पिछले साल दिसंबर में सुनवाई के बाद मानवाधिकार के आधार पर 62 वर्षीय व्यवसायी की अपील को स्वीकार करते हुए अपना फैसला सुनाया। अदालत ने अब नवंबर 2022 में वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट कोर्ट के फैसले के आधार पर भारत में आपराधिक कार्यवाही का सामना करने के लिए तत्कालीन ब्रिटिश गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन के प्रत्यर्पण आदेश से उन्हें ''मुक्त'' करने का आदेश दे दिया है। फैसले में कहा गया, ''उपलब्ध कराए गए सभी साक्ष्यों और सूचनाओं को ध्यान में रखते हुए, जिसमें नए साक्ष्य भी शामिल हैं, हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि तिहाड़ जेल में अपीलकर्ता (भंडारी) को अन्य कैदियों और/या जेल अधिकारियों से धमकी या वास्तविक हिंसा के साथ जबरन वसूली का वास्तविक खतरा होगा।'' अपील इस आधार पर स्वीकार की गई कि भंडारी का प्रत्यर्पण यूरोपीय मानवाधिकार संधि (ईसीएचआर) के अनुच्छेद 3 के तहत उसके अधिकारों के अनुरूप नहीं होगा, जो कि प्रत्यर्पित किए जाने पर दिल्ली की तिहाड़ जेल में उसे कैद रखने और जेल में पुलिस तथा अन्य जांच निकायों द्वारा उसके साथ किए जाने वाले व्यवहार के संबंध में भारत सरकार द्वारा दिए गए आश्वासन पर आधारित है। फैसले में कहा गया,

''उनके खिलाफ आरोपों की प्रकृति और भारत में उनके संबंध में प्रचार इस तरह का है कि उन्हें एक बहुत अमीर व्यक्ति माना जाएगा और इसलिए जबरन वसूली के लिए प्रमुख लक्ष्य होंगे। जेल संख्या 3 तिहाड़ जेल में अत्यधिक भीड़भाड़ और बहुत कम कर्मचारियों के मद्देनजर, सबसे ईमानदार जेल अधिकारियों के लिए भी अपीलकर्ता को गिरोह के सदस्यों सहित अन्य कैदियों के हाथों जबरन वसूली और दुर्व्यवहार से बचाना बहुत मुश्किल होगा।'' इसमें कहा गया कि भारत सरकार द्वारा दिए गए ''आश्वासनों'' से ''वास्तविक जोखिम'' दूर नहीं होता। भंडारी के खिलाफ दो प्रत्यर्पण अनुरोध किए गए थे। पहला जून 2020 में भारत के धन शोधन निवारण अधिनियम 2002 के तहत धन शोधन के आरोप के संबंध में है जबकि दूसरा जून 2021 में भारत के काला धन एवं कर अधिरोपण अधिनियम 2015 के तहत लगाए जाने वाले आरोपों को लेकर है।

रूस और अमेरिका का सामान्य दूतावास संचालन पर जोर : इस्तांबुल, एजेंसी। रूस और अमेरिकी राजनयिकों ने तुर्किये के इस्तांबुल में अपने-अपने देशों में स्थित एक-दूसरे के दूतावासों के संचालन को सामान्य बनाने और दोनों देशों में सीधे हवाई लिंक पर चर्चा की। दोनों देशों ने पिछले कुछ वर्षों में एक-दूसरे के राजनयिकों को निष्कासित कर दिया था। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय 'क्रेमलिन' के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच फोन पर और दोनों देशों के अफसरों में सऊदी अरब वार्ता के बाद इस्तांबुल में ये वार्ताएं हुई हैं। संघीय सुरक्षा सेवा की इस बैठक में पुतिन ने ट्रंप प्रशासन की व्यावहारिकता और उनके यथार्थवादी दृष्टिकोण की सराहना की। पुतिन ने कहा, नए अमेरिकी प्रशासन के साथ हुए पहले संपर्क से कुछ आशाएं बढ़ी हैं। संबंधों को बहाल करने और वैश्विक व्यवस्था में मौजूद रणनीतिक समस्याओं को धीरे-धीरे हल करने के उद्देश्य से काम करने के लिए पारस्परिक तत्परता है।

18वें जन्मदिन से पहले बेटे का खून करके बोली मां-यही उसका गिफ्ट

बीजिंग, एजेंसी। यह हृदय विदारक मामला मानसिक स्वास्थ्य, पारिवारिक गतिशीलता और भावनात्मक भार के बारे में महत्वपूर्ण प्रश्न उठाता है, जो कभी-कभी अकल्पनीय घटनाओं को जन्म दे सकता है। यह दिल दहला देने वाली घटना अमेरिका के मिशिगन की है। इस दुखद और परेशान करने वाली घटना ने पूरे समुदाय को हिलाकर रख दिया है। मिशिगन की एक मां पर अपने 17 वर्षीय बेटे की उसके 18वें जन्मदिन से ठीक एक दिन पहले कथित तौर पर हत्या करने का आरोप लगाया गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि महिला ने खुद पुलिस को फोन कर इस घटना की जानकारी दी। मां ने किया चौंकाने वाला दावा फॉक्स17 की रिपोर्ट के अनुसार, 39 वर्षीय केटी ली पर अपने बेटे के कहने पर उसकी जान लेने का आरोप लगाया गया है। महिला ने हत्या के पीछे जो कारण बताया है वह और भी चौंकाने वाला है। महिला का कहना है कि उसने अपने बेटे की आखिरी इच्छा पूरी कर दी है, यह उसका जन्मदिन का तोहफा है। महिला का दावा है कि उसके बेटे ने वयस्क होने से पहले ही उससे आत्महत्या करने के लिए कहा था। इस हृदय विदारक घटना से संबंधित विवरण लगातार सामने आ रहे हैं और लोग इस कहानी पर विश्वास नहीं कर रहे हैं। महिला का कबूलनामा मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना तब सामने आई जब केटी ली ने खुद पुलिस को फोन किया और अपने बेटे ऑस्टिन पिकार्ट की हत्या की बात कबूल की। अदालती दस्तावेजों के अनुसार, ली ने चाकू से अपने बेटे का गला रेतकर उसकी हत्या करने की बात स्वीकार की है। उन्होंने दावा किया कि ऑस्टिन ने उसके 18 साल के होने से पहले ही उसके सामने आत्महत्या करने की इच्छा व्यक्त की थी, इसलिए उसने उसके जन्मदिन से ठीक पहले इस घटना को अंजाम दिया।

मां-बेटे ने पहले भी अपनी जान देने के लिए यही तरीका अपनाया था। : मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ली ने और भी भयावह जानकारी देते हुए कहा कि उन्होंने और उनके बेटे ने कई घंटे पहले दवा की अधिक मात्रा लेने का प्रयास किया था, लेकिन उनका प्रयास विफल हो गया था। लेकिन, ऑस्टिन वयस्क होने से पहले ही मरने की इच्छा व्यक्त करता रहा, जिसके कारण उसकी मां ने उसके अनुरोध पर उसे मार डालने का दुखद निर्णय लिया।

महिला खुद भी अपनी जान देना चाहती थी। : पुलिस ने बताया कि केट ली के फोन करने के बाद जब वे वहां पहुंचे तो वहां का दृश्य देखकर दंग रह गए। रिपोर्ट के अनुसार, ली अपार्टमेंट के दरवाजे पर खून से सना चाकू पकड़े खड़ा था। अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित अधिकारियों ने तुरंत अपने हथियार निकाल लिए और ली को चाकू नीचे गिराने का आदेश दिया। हालाँकि, ली ने पुलिस के निर्देशों का पालन करने से इनकार कर दिया। एक अधिकारी ने उसे नियंत्रित करने के लिए टेजर का उपयोग करने का प्रयास किया, लेकिन टेजर उपकरण काम नहीं आया। जब ली ने एक बार फिर चाकू निकालने की कोशिश की तो उसने पुलिस के साथ संघर्ष किया, लेकिन अधिकारी उसे सफलतापूर्वक गिरफ्तार करने में सफल रहे। गिरफ्तारी के दौरान ली ने कथित तौर पर अधिकारियों से अपनी जान लेने की भीख मांगी थी। दरअसल, महिला खुद भी आत्महत्या करना चाहती थी।

इंग्लिश को आधिकारिक भाषा बनाने वाले आदेश पर हस्ताक्षर कर सकते हैं ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, इंग्लिश को अमेरिका की आधिकारिक भाषा का दर्जा देने वाले कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। आदेश के बाद सरकारी एजेंसियां और अन्य संगठन, जो संघीय फंडिंग पर संचालित होते हैं, वे इंग्लिश भाषा में अपना कामकाज करेंगे। इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने एक कार्यकारी आदेश जारी किया था, जिसमें गैर इंग्लिश भाषी लोगों को भाषायी मदद दी जाती थी, लेकिन अब यह आदेश निरस्त हो जाएगा। अमेरिका के 30 राज्य पहले से ही इंग्लिश को अपनी आधिकारिक भाषा का दर्जा दे चुके हैं। हालांकि केंद्र के स्तर पर यह अभी तक नहीं हुआ था। अब ट्रंप के आदेश के बाद इंग्लिश आधिकारिक तौर पर अमेरिका की आधिकारिक भाषा बन जाएगी।

संघीय कर्मचारियों से उनकी उपलब्धियों की मांगी जा रही जानकारी : अमेरिका में ट्रंप प्रशासन के सत्ता में आने के बाद से संघीय कर्मचारियों पर आफत टूट पड़ी है। बड़ी संख्या में संघीय कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जा रहा है और अब जो बचे हैं, उनसे उनकी उपलब्धियों के बारे में पूछा जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शुक्रवार से संघीय कर्मचारियों को ईमेल मिल रहा है, जिसमें उनसे ये पूछा जा रहा है कि बीते हफ्ते उन्होंने क्या काम किया? और उन पांच कामों की लिस्ट मांगी जा रही है, जो उन्होंने हाल के समय में पूरे किए। ट्रंप प्रशासन द्वारा बड़ी संख्या में संघीय कर्मचारियों को रिटायर किया जा रहा है। अब ताजा ईमेल ने कर्मचारियों की मुश्किल और बढ़ा दी है।

चीन : 17 बच्चों की तस्करी की दोषी महिला को फांसी : बीजिंग, एजेंसी। चीन में एक दशक से अधिक समय तक 17 बच्चों के अपहरण व तस्करी करने की दोषी एक महिला को शुक्रवार को दक्षिण-पश्चिमी चीन के गुइझोउ प्रांत के गुइयांग में फांसी दे दी गई। 62 वर्षीय यू हुआयिंग पर 1993 से 2003 के बीच गुइझोउ, चोंगकिंग व युन्नान सहित कई क्षेत्रों में बाल तस्करी के लिए दूसरों के साथ साजिश रचने की आरोपी रही है। सुप्रीम पीपुल्स कोर्ट द्वारा मृत्युदंड की मंजूरी के बाद उसकी फांसी की सजा को अमल में लाया गया। कोर्ट ने उसकी निजी संपत्ति जब्त करने का भी आदेश दिया है।

तालिबान बनाने वाले मौलाना हक्कानी के बेटे की हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में रमजान से एक दिन पहले शुक्रवार को जामिया हक्कानिया मदरसा में बम विस्फोट हुआ। यह हमला तालिबान के गॉडफादर के बेटे हमीदुल हक हक्कानी को निशाना बनाकर किया गया था। हमले में उसकी मौत हो गई है। इसके अलावा 4 और लोग भी मारे गए हैं। हादसा खैबर पख्तूनख्वा राज्य के अकोरा खट्टक जिले में हुआ। स्थानीय पुलिस अधिकारी अब्दुल राशिद ने बताया कि बम हादसे में 20 लोग घायल हुए हैं। घायलों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। अब तक किसी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हमीदुल हक्कानी को निशाना बनाकर हुआ हमला घटना के बाद पेशावर के सभी प्रमुख हॉस्पिटल में इमरजेंसी लगा दी गई है। समा टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच में यह एक सुसाइड बम विस्फोट लग रहा है। इसमें मस्जिद का एक हिस्सा भी टूट गया है। खैबर पख्तून ख्वा के आईजी के मुताबिक यह हमला मौलाना हमीदुल हक हक्कानी को निशाना बनाकर किया गया था। मौलाना हमीदुल हक्कानी, तालिबान के गॉडफादर मौलाना समीउल हक हक्कानी का बड़ा बेटा है। सीनियर हक्कानी अफगान तालिबान का कट्टर समर्थक था। उसने साल 1947 में पाकिस्तान में सबसे प्रभावशाली इस्लामी मदरसों में से एक दारुल उलूम हक्कानिया की स्थापना की थी। समीउल हक ने ही तालिबान की स्थापना की थी और मुल्ला उमर

समेत कई तालिबानी नेताओं को तैयार किया था। मौलाना समीउल हक्कानी की हत्या 2018 में अज्ञात हमलावरों ने कर दी थी। पिछले साल अफगानिस्तान गया था हक्कानी हक्कानी ने पिछले साल ही अफगानिस्तान का दौरा किया था और तालिबान नेताओं से मुलाकात की थी। हक्कानी ने कहा था कि उसकी यात्रा का मकसद पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच संबंधों को बेहतर करना है। जामिया हक्कानिया मदरसा पर आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगता आया है। इसी मदरसे के छात्रों पर पाकिस्तान की पूर्व पीएम बेनजीर भुट्टो की हत्या में शामिल होने का आरोप है। हालांकि मदरसे ने साफ तौर पर हमलावरों के साथ किसी भी तरह के संबंधों से इनकार किया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में महिला पुलिसकर्मी ने फांसी लगाकर आत्महत्या की,डायरी में मिला सुसाइड नोट

जीवन जीने की बहुत कोशिश की,लेकिन अब जीना अच्छा नहीं लगता

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में एक महिला पुलिसकर्मी ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। उसके पास से एक डायरी में लिखा सुसाइड नोट मिला,जिसमें उसने लिखा,जीवन जीने की बहुत कोशिश की, लेकिन अब जीना अच्छा नहीं लगता।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार,महिला पुलिसकर्मी ने अपने निवास पर आत्महत्या की। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सुसाइड नोट में आत्महत्या के कारणों का स्पष्ट उल्लेख नहीं है, लेकिन पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

महिला पुलिसकर्मी की आत्महत्या से सहकर्मी और परिवारजन सदमे में हैं।अधिकारियों का कहना है कि वे सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं, ताकि यह पता चल सके कि इस दुखद कदम के पीछे क्या कारण थे।

सूरत पुलिस में तैनात महिला पुलिसकर्मी ने घर पर फांसी लगाकर की आत्महत्या, सुसाइड नोट में लिखा- जीवन जीने की बहुत कोशिश की, लेकिन अब अच्छा नहीं लगता

सूरत शहर के एयरपोर्ट पर ड्यूटी करने वाली महिला पुलिसकर्मी ने अपने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, जिससे पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया।

पुलिस को मृतका के पास से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें लिखा है जीवन जीने की बहुत कोशिश की, लेकिन अब अच्छा नहीं लगता। मेरी मौत के लिए कोई जिम्मेदार नहीं है।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। सूरत पुलिस ने दिवंगत पुलिसकर्मी को गार्ड ऑफ ऑनर देकर श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही आत्महत्या के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच तेज कर दी गई है।

53.58 करोड़ की लागत से लिम्बायत के उधना यार्ड में नवनिर्मित

‘लिम्बायत-डिंडोली जोड़ने वाले अंडरपास’ का लोकार्पण केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल द्वारा

सूरत शहर में बीआरटीएस का सबसे लंबा रूट है,उसी तरह गुजरात का सबसे लंबा अंडरपास भी यहीं बनाया गया।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूचना ब्यूरो, सूरत, रविवार: केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल के हाथों सूरत नगर निगम द्वारा साउथ ईस्ट जोन (लिंबायत) क्षेत्र में उधना यार्ड के पास, सूरत-भुसावल रेलवे लाइन पर स्थित साईं बाबा मंदिर के पास 53.58 करोड़ की लागत से निर्मित चलिंबायत-डिंडोली जोड़ने वाले अंडरपासज का लोकार्पण किया गया।

इस अवसर पर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री ने कहा कि सूरत शहर में गुजरात का सबसे लंबा 503 मीटर लंबाई वाला अंडरपास बनाया गया है। नगर निगम और रेलवे की संयुक्त भागीदारी से 53.58 करोड़ की लागत से यह परियोजना पूरी की गई है। पहले लोगों को 2 से 3 किलोमीटर का लंबा रास्ता तय करना पड़ता था, लेकिन अब अंडरपास बनने से केवल 500 मीटर में ही गंतव्य तक पहुंचा जा सकेगा। पुल यातायात के लिए जीवनरेखा की तरह होते हैं, और लिंबायत-डिंडोली को जोड़ने वाले इस अंडरपास से समय और ईंधन की बचत होगी, जिससे वाहन चालकों और व्यापारियों को अपने व्यवसाय के विस्तार में सहायता मिलेगी।

अंडरपास से समय और ईंधन की बचत होगी, जिससे उद्यमियों को अपने व्यवसाय का विस्तार करने में मदद मिलेगी:केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल

उन्होंने आगे कहा कि लिंबायत-डिंडोली अंडरपास के ऊपर से सात रेलवे लाइनें गुजरती हैं, और यह गुजरात का सबसे लंबा अंडरपास है। इसमें ऑक्सीजन की मात्रा में कमी न आए, इसके लिए विशेष व्यवस्था की गई है। सूरत शहर में बीआरटीएस का सबसे लंबा रूट है, और अब गुजरात का सबसे लंबा अंडरपास भी यहीं बना है। इस उपलब्धि के लिए नगर निगम के कार्यों की सराहना की गई।

इस अवसर पर मेयर दक्षेशभाई मावाणी, सांसद मुकेशभाई दलाल, विधायक संगीता पाटिल, पूर्णेश मोदी, प्रवीन घोघारी, मनुभाई पटेल, डिप्टी मेयर डॉ. नरेंद्र पाटिल, स्थायी समिति के अध्यक्ष राजन पटेल, दंडक धर्मेशभाई वानियावाला, पार्षदगण, समाज के गणमान्य लोग, नगर निगम के अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

होली से पहले उधना स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़

100 से अधिक ट्रेनें डायवर्ट,लेकिन प्रबंधन बेबस, मजदूरों और यात्रियों ने स्टेशन पर गुजारी रात

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत होली से पहले उधना रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। वतन लौटने के लिए हजारों श्रमिक और यात्री स्टेशन पर घंटों से इंतजार कर रहे हैं, लेकिन 100 से अधिक ट्रेनों के डायवर्ट होने के बावजूद रेलवे प्रबंधन की ओर से कोई समुचित व्यवस्था नहीं की गई। यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

यात्रियों का कहना है कि होली जैसे बड़े त्योहार पर हर साल यही स्थिति होती है, लेकिन रेलवे प्रबंधन की ओर से पहले से कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाते। ट्रेनें लेट होने और कई ट्रेनों के डायवर्ट होने से लोगों को मजबूरी में स्टेशन पर ही रात बितानी पड़ी। भारी भीड़ और अव्यवस्था के कारण यात्री परेशान नजर आए।

रेलवे स्टेशन पर श्रमिकों और यात्रियों को खाने-पीने और विश्राम के लिए कोई सुविधा नहीं मिली, जिससे उनकी तकलीफें और बढ़ गईं। कई यात्रियों ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि अगर रेलवे प्रशासन पहले से ही अतिरिक्त ट्रेनों और प्रबंधन की व्यवस्था करता, तो इस परेशानी से बचा जा सकता था।

होली का त्योहार नजदीक,12 दिन शेष: वतन लौटने के लिए यूपी-बिहार के लाखों श्रमिकों की तैयारी, उधना रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ लेकिन सुविधाओं का अभाव

होली के पर्व में अब सिर्फ 12 दिन बाकी हैं,और सूरत शहर में रहने वाले यूपी-बिहार के लाखों प्रवासी श्रमिक और अन्य बाहरी राज्य के लोग अपने वतन जाने की तैयारी कर रहे हैं। इसी कारण उधना रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ देखने को मिल रही है। लेकिन समस्या केवल भीड़ की नहीं है, बल्कि सबसे बड़ी परेशानी व्यवस्थाओं के अभाव की है, जो रविवार को उधना रेलवे स्टेशन पर साफ नजर आई।

पूरी रात ट्रेन का इंतजार, लेकिन सुविधाओं का नामोनिशान नहीं

होली मनाने के लिए उत्साहित श्रमिक और यात्री पूरी रात ट्रेन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। वे लंबी कतारों में खड़े रहते हैं, लेकिन जब ट्रेन उधना रेलवे स्टेशन पर आती है, तो भारी भीड़ के कारण अफरातफरी और अव्यवस्था की स्थिति बन जाती है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सूरत रेलवे स्टेशन पर री-डेवलपमेंट का काम चल रहा है, जिसके चलते 100 से अधिक ट्रेनों को उधना रेलवे स्टेशन पर डायवर्ट कर दिया गया है। लेकिन इतनी बड़ी संख्या में ट्रेनों के डायवर्शन के बावजूद यात्रियों के लिए कोई विशेष सुविधा नहीं दी गई, जिससे उनकी परेशानियां और बढ़ गई हैं।

प्लेटफॉर्म पर सुविधाएं कम, लेकिन भीड़ ज्यादा उधना रेलवे स्टेशन पर पहले से ही सीमित सुविधाएं हैं। यात्रियों के अनुसार,यहां एडवांस बुकिंग काउंटर कम हैं और प्लेटफॉर्म पर पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं।

जब रेलवे को यह पता है कि होली के अवसर पर हजारों श्रमिक अपने वतन लौटेंगे, तो क्या पहले से कोई योजना बनाई गई थी? यात्रियों का कहना है कि भीड़ को नियंत्रित करने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए कोई विशेष प्रबंधन नहीं किया गया है। अव्यवस्था और भीड़ के कारण यात्रियों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है, लेकिन रेलवे प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं।

पहले भी हो चुकी है यही समस्या

यह पहली बार नहीं है कि उधना रेलवे स्टेशन पर ऐसी अव्यवस्था देखी गई हो। पिछले साल भी होली, दीपावली और छठ पूजा के दौरान यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा था।

हर साल त्योहारों के समय यूपी-बिहार जाने वाले प्रवासी मजदूरों और यात्रियों की संख्या बढ़ जाती है, लेकिन इसके बावजूद रेलवे प्रशासन की ओर से कोई ठोस व्यवस्था नहीं की जाती।यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ता है, प्लेटफॉर्म पर सुविधाओं की कमी रहती है, और भीड़ को संभालने के लिए कोई प्रभावी योजना नहीं बनाई जाती।

श्याम मंदिर पर तीन दिवसीय फाल्गुन मेला 9 मार्च से

>> लाखों भक्त करेंगे बाबा का दीदार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,वीआईपी रोड़ स्थित श्रीश्याम मंदिर सुरतधाम में फाल्गुन माह के उपलक्ष में तीन दिवसीय फाल्गुन मेले का आयोजन नौ मार्च से किया जाएगा। फाल्गुन मेले में लाखों भक्त बाबा का दीदार करेंगे।

श्री श्याम सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश हाकिम ने बताया की इस अवसर पर मंदिर प्रांगण को दुल्हन की तरह सजाया जाएगा एवं सालासर दरबार, शिव परिवार सहित बाबा श्याम का फूलों से अद्भुत श्रृंगार किया जाएगा।

ट्रस्ट के सचिव राजेश दोदराजका ने बताया कि फाल्गुन मेले में सभी भक्तों की सुविधा के लिए अनेकों प्रकार की व्यवस्थाएं की गई है। मंदिर के पट रविवार, नौ मार्च को सम्पूर्ण दिन एवं एकादशी के मौके पर सोमवार, दस मार्च को सम्पूर्ण दिन एवं सम्पूर्ण रात्रि खुले रहेंगे। मंगलवार, ग्यारह मार्च को भक्तों के लिए जात-जडुला की व्यवस्था सुबह आठ बजे से की गई है।

श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित फाल्गुन उत्सव के दौरान मंदिर प्रांगण पर सूरत से अनेकों धार्मिक संस्थाओं, सोसायटियों एवं परिवारों की निशान यात्रा आएगी।

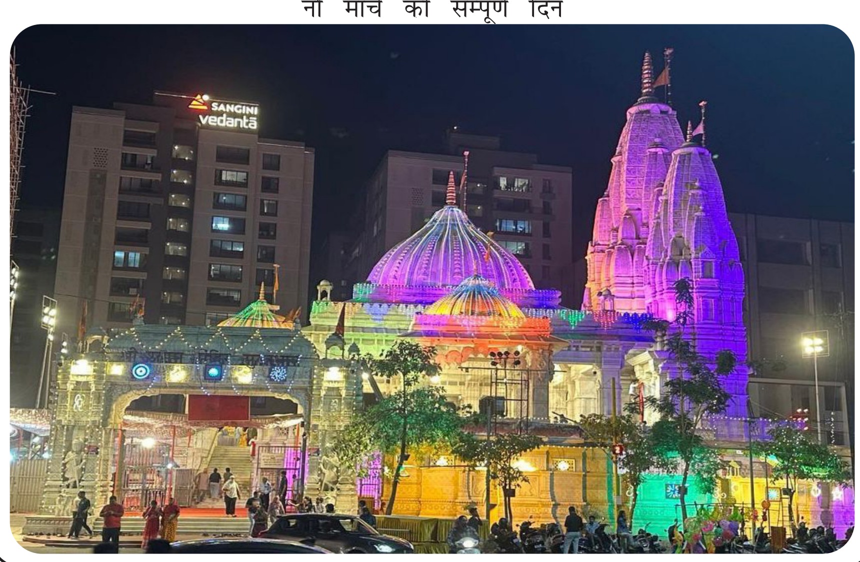

तृतीय विशाल निशान यात्रा का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,फाल्गुन माह के उपलक्ष में श्याम रेजीडेंसी कुंभारिया द्वारा तृतीय विशाल यात्रा का आयोजन रविवार को किया गया।

इस मौके पर निशान पूजन के बाद यात्रा रवाना हुई। यात्रा में 251 निशान के साथ 500 से अधिक भक्त में बैंड-बाजा के साथ नाचते गाते, बाबा का गुणगान करते हुए वीआईपी रोड़ स्थित श्री श्याम मंदिर पहुंचे एवं बाबा को निशान अर्पण किए।

नवसारी के अमलसाड कन्या विद्यालय में मध्यान्ह भोजन में निकली इल्ली

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी जिले के अमलसाड कन्या विद्यालय में मध्यान्ह भोजन में इल्ली मिलने का मामला सामने आया है।यह भोजन नायक फाउंडेशन द्वारा आपूर्ति किया गया था, जो पहले भी विवादों में रह चुका है। पहले भी मिल चुकी है छिपकली इससे पहले भी इसी फाउंडेशन द्वारा दिए गए भोजन में छिपकली मिलने की घटना सामने आई थी। अब एक बार फिर गुणवत्ता और स्वच्छता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और जिम्मेदार अधिकारियों से जवाब तलब किया गया है। नवसारी जिले के स्कूल में मध्यान्ह भोजन में निकली इल्ली, स्कूल प्रशासन ने भोजन लेने से किया इनकार नवसारी जिले के गणदेवी तालुका के अमलसाड गाँव में स्थित सर्विस स्टेशन कन्या शाला नंबर-1 में मध्यान्ह भोजन में इल्ली मिलने की घटना सामने आई है। इस स्कूल में 228 छात्राएँ पढ़ती हैं, और कक्षा 4 की एक छात्रा के भोजन में यह कीड़ा पाया गया। शिक्षकों ने की तत्काल जाँच, SMC अध्यक्ष ने भोजन लेने से किया इनकारघटना के बाद शिक्षकों ने भोजन की गुणवत्ता की तुरंत जाँच की।